चैत्र कृष्ण - 12 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 249 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 06-04-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों का राम नाम सत्य करवा देते हैं हम : योगी

6 विशाल वटवृक्ष का आकार लेती भाजपा

7 कुनाल कामरा पर केस नहीं करेंगे सलमान खान

फर्स्ट टेक

जिम्बाब्वे ने नई मुद्रा 'जिग' को अपनाने की घोषणा की

हरारे (जिम्बाब्वे)/एपी। अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे ने हाल के महीनों में मूल्यह्रास और बढ़ती मुद्रास्फीति से निपटने के लिए शुक्रवार को नई मुद्रा अपनाने की घोषणा की। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस कदम से जिम्बाब्वे में वर्षों से चले आ रहे मुद्रा संकट पर काबू पाने में मदद मिलेगी। जिम्बाब्वे में नई मुद्रा सोमवार से प्रभावी हो जाएगी। रिजर्व बैंक ऑफ जिम्बाब्वे के गवर्नर जॉन मुशायवानु ने कहा कि नई मुद्रा को 'जिग' कहा जाएगा और यह सोने के भंडार और प्रमुख विदेशी मुद्राओं पर आधारित होगी। मौजूदा मुद्रा जिम्बाब्वे डॉलर हाल के हफ्तों में लगातार दबाव में रही है, जिससे यह दुनिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक बन गई। जनवरी से अब तक जिम्बाब्वे डॉलर का 70 प्रतिशत मूल्यह्रास हो चुका है।

नेपाल में श्रीलंकाई लोगों को बंधक बनाने के आरोप में चार पाकिस्तानी गिरफ्तार

काठमांडू/भाषा। नौकरी के लिए विभिन्न यूरोपीय देशों में भेजने के नाम पर चार श्रीलंकाई नागरिकों को बंधक बनाने के आरोप में नेपाल में चार पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक नकुल पोखरेल ने कहा कि नेपाल पुलिस के काठमांडू घाटी अपराध जांच विभाग ने बृहस्पतिवार को एक गुप्त सूचना के आधार पर चार पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि 42 से 62 साल की उम्र के बीच के पाकिस्तानी नागरिकों ने कनाडा और रोमानिया सहित यूरोपीय देशों में नौकरी दिलाने का झूठा वादा करके चार श्रीलंकाई नागरिकों से लाखों रुपये वसूले। इसने कहा कि श्रीलंकाई लोगों को उनके गृह देश से लाया गया था जिन्हें पाकिस्तानियों द्वारा पीटा गया, प्रताड़ित किया गया और धमकाया गया।

अमेरिका में अवैध चीनी प्रवासी देश में सेना बना सकते हैं : ट्रंप

वाशिंगटन/एजेन्सी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दक्षिणी सीमा से देश में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले चीनी प्रवासी संभावित रूप से देश में एक सेना बना कर सकते हैं। ट्रम्प ने गुरुवार को कंजर्वेटिव रेडियो होस्ट ह्यू हेविट के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि वे शायद एक सेना बना रहे हैं , क्योंकि उनमें अधिकतर युवा हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति जो बिडेन के कार्यकाल में अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर 30,000 से ज्यादा चीनी प्रवासियों का आगमन हुआ है।

06-04-2024	07-04-2024
सूर्यास्त 6:01 बजे	सूर्योदय 6:20 बजे

BSE	NSE
74,248.22	22,513.70
(+20.59)	(-0.95)

सोना	चांदी
7,207 रु.	84,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अजीब हाल

कार तो चला सकते हो,
मगर साइकिल रिक्शा नहीं।
बिल पर बहस कर सकते हो,
मगर उसकी समीक्षा नहीं।
कानूनन सजा तो दे सकते हो,
किंतु नैतिक शिक्षा नहीं।
चुनाव तो करा सकते हो,
पर प्रतियोगी परीक्षा नहीं।।

समानता पर भारत को उपदेश की जरूरत नहीं : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि समानता पर भारत को किसी से उपदेश लेने की आश्वयकता नहीं है और नागरिक संशोधन अधिनियम (सीएए) पड़ोसी देशों में धार्मिक रूप से पीड़ित अल्पसंख्यकों को राहत देने के लिए हैं।

धनखड़ ने शुक्रवार को उत्तराखंड के मसूरी में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में वर्ष 2023 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) प्रशिक्षुओं अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को समानता के मुद्दे पर किसी से उपदेश की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने विभिन्न देशों से अपने भीतर झाँकने का आह्वान करते हुए कहा कि कुछ देशों में अभी तक कोई महिला राष्ट्रपति नहीं है, जबकि भारत में ब्रिटेन से भी पहले एक महिला प्रधानमंत्री बन चुकी है। अन्य देशों में सुप्रीम कोर्ट ने बिना महिला न्यायाधीश के 200 साल पूरे कर लिए, लेकिन भारत में बहुत पहले महिला न्यायाधीश हो चुकी है।

नागरिकता संशोधन अधिनियम पर धनखड़ ने कहा कि सीएए न तो किसी भी भारतीय नागरिक को उसकी नागरिकता से वंचित करता है, न ही यह पहले की तरह किसी को भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने से रोकता है। सीएए पड़ोसी देशों में धार्मिक अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता देने की सुविधा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सीएए उन लोगों पर लागू होता है जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए थे। उन्होंने कहा कि यह किसी के लिए आमंत्रण नहीं है।

उन्होंने कहा कि शायद ही कोई सप्ताह गुजरता है जब भारतीय नौसेना ने समुद्री डकैती के पीड़ितों को बचाने के लिए काम नहीं किया हो।

भाजपा संबंधी बयान पर आतिशी को निर्वाचन आयोग से नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को दिल्ली की मंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी को 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया और उनसे उनके इस बयान का तथ्यों के साथ समर्थन करने को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पार्टी में शामिल होने के लिए उनसे संपर्क किया था। इससे पहले भाजपा ने आतिशी के इस दावे के खिलाफ आयोग का रुख किया था कि किसी करीबी के माध्यम से भाजपा ने उनसे सम्पर्क कर उन्हें पार्टी में शामिल होने के लिए कहा। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है, ...आप (आतिशी) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार में मंत्री हैं और एक राष्ट्रीय पार्टी की नेता हैं। सार्वजनिक मंच से नेताओं द्वारा कही गई बातों पर मतदाता विश्वास करते हैं और इस तरह से उनके द्वारा दिए गए बयान प्रचार विमर्श को प्रभावित करते हैं। निर्वाचन आयोग ने कहा कि वह अपेक्षा करता है कि आप नेता द्वारा दिए गए बयानों का एक तथ्यात्मक आधार होना चाहिए।

ये नया भारत है, घर में घुसकर मारता है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दस साल में किए गए अपने काम को महज एक 'ट्रेलर' (नमूना) और मुख्य भोजन से पहले परोसे जाने वाला 'ऐपेटाइजर' बताते हुए कहा कि 'अभी तो पूरी थाली बाकी है' और हमें देश को बहुत आगे लेकर जाना है। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि वे सिर्फ अपना हित देखते हैं, उन्हें गरीब, दलित, शोषित-वंचित वर्ग के कल्याण से, उनके सम्मान से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि सेनाओं का अपमान और देश का विभाजन कांग्रेस की पहचान है।

भारतीय सेना की ओर से की गई एयर एवं सर्जिकल स्ट्राइक की ओर इशारा करते हुए मोदी ने कहा, ये नया भारत है। ये नया भारत घर में घुसकर मारता है। मोदी चुरू में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केंद्र में अपनी सरकार के दस साल के कार्यकाल की तुलना रेस्टोरेंट में मुख्य भोजन से पहले परोसे जाने वाले 'ऐपेटाइजर' और फिल्म के ट्रेलर से की।

कांग्रेस का घोषणापत्र जारी

जाति जनगणना कराने के साथ ही चुनावी बॉण्ड व राफेल की जांच का वादा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यह घोषणापत्र पार्टी के 10 न्याय - 'हिस्सेदारी न्याय', 'किसान न्याय', 'नारी न्याय', 'श्रमिक न्याय', 'युवा न्याय', 'संविधान न्याय', 'आर्थिक न्याय', 'राज्य न्याय' , 'रक्षा न्याय' और 'पर्यावरण न्याय' के आधार पर तैयार किया है।

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को अपना घोषणापत्र जारी किया जिसमें उसने जाति आधारित जनगणना कराने, आरक्षण की सीमा बढ़ा कर 50 प्रतिशत से अधिक करने, किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी देने तथा चुनावी बॉण्ड, राफेल एवं पेगासस जैसे 'भ्रष्टाचार के मामलों' की जांच कराने का वादा किया।

पार्टी ने नई शिक्षा नीति में संशोधन करने, दल-बदल करने वालों सांसदों-विधायकों की सदस्यता रद्द करने का कानूनी प्रावधान करने, ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति करने के लिए राष्ट्रीय न्यायिक आयोग गठित करने सहित कई अन्य वादे अपने इस घोषणापत्र में किए हैं।

यह घोषणापत्र पार्टी के 10 न्याय - 'हिस्सेदारी न्याय', 'किसान न्याय', 'नारी न्याय', 'श्रमिक न्याय', 'युवा न्याय', 'संविधान न्याय', 'आर्थिक न्याय', 'राज्य न्याय' , 'रक्षा न्याय' और 'पर्यावरण न्याय' के आधार पर तैयार किया है। इससे पहले, पार्टी ने पांच 'न्याय' और 25 'गारंटी' जनता के समक्ष रखी थी। पार्टी ने अपने घोषणा पत्र को 'न्याय पत्र' नाम दिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इस घोषणा पत्र में भविष्य के शानदार भारत की तस्वीर नजर आती है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि यह चुनाव, संविधान और लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास करने वालों और इन्हें बचाने की कोशिश करने वालों के बीच होने जा रहा है।

कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मौजूदगी में यह घोषणापत्र जारी किया गया। पूर्व वित्त मंत्री और घोषणापत्र समिति के प्रमुख पी चिदंबरम ने कहा कि इस न्याय पत्र के मुख्य आधार में कार्य, पूंजी और कल्याण शामिल हैं। घोषणापत्र जारी किए जाने के मौके पर कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, चिदंबरम और कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

अपना स्वर्ण भंडार तैयार करने में जुटा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपनी विदेशी मुद्रा की तैनाती के क्रम में स्वर्ण भंडार तैयार करने में जुटा हुआ है। दास ने नीतिगत समीक्षा बैठक के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम सोने का भंडार बना रहे हैं जो हमारे मुद्रा भंडार नियोजन का एक हिस्सा है।

हालांकि, उन्होंने इस भंडार के लिए खरीदे गए सोने की मात्रा के बारे में कोई जानकारी नहीं दी, लेकिन आधिकारिक आंकड़ों की ओर इशारा किया जो स्वर्ण भंडार के मूल्य में वृद्धि को दर्शाता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 22 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में सोने का मूल्य 51.48 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक था। यह मार्च, 2023 के अंत के मूल्य से 6.28 अरब अमेरिकी डॉलर अधिक है। हाल ही में आई एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई ने सिर्फ जनवरी महीने में 8.7 टन सोना खरीदा जो दो साल में सबसे अधिक है। विश्व स्वर्ण परिषद के मुताबिक, केंद्रीय बैंक के पास मौजूद सोना जनवरी के अंत में 812.3 टन तक पहुंच गया जबकि दिसंबर, 2023 में यह 803.58 टन था। पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमत भी तेजी से बढ़ी है।

इससे पहले दास ने ऐलान किया कि देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 29 मार्च तक 645.6 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। आरबीआई गवर्नर ने संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय बैंक ने पिछले चार-पांच वर्षों में जानबूझकर विदेशी मुद्रा भंडार के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया है ताकि इसका इस्तेमाल भविष्य में किसी भी जोखिम के खिलाफ बफर के रूप में किया जा सके।

एनसीईआरटी की किताबों में किया गया संशोधन

बाबरी मस्जिद, गुजरात दंगे के संदर्भ में किए गए बदलाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने अपनी पाठ्यपुस्तकों में बदलाव करते हुए अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिराए जाने, गुजरात दंगों में मुसलमानों के मारे जाने, हिंदुत्व और मणिपुर के भारत में विलय के संदर्भ संशोधन किया है।

एनसीईआरटी ने हालांकि संशोधित गए विषयों पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि बदलाव नियमित रूप से पाठ्यक्रम को अद्यतन करने का हिस्सा हैं और इसका संबंध नए पाठ्यक्रम ढांचे (एनसीएफ) के अनुसार नई पुस्तकों के विकास से नहीं है।

यह संशोधन कक्षा 11 और 12 तथा अन्य की राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में किया गया है।

एनसीईआरटी की पाठ्यक्रम मसौदा समिति द्वारा तैयार किए गए बदलावों का विवरण देने वाले एक दस्तावेज के अनुसार, राम जन्मभूमि आंदोलन के संदर्भों को राजनीति में नवीनतम घटनाक्रम के अनुसार संशोधित कर दिया गया है।

कक्षा 11 की पाठ्यपुस्तक में धर्मनिरपेक्षता से जुड़े अध्याय-8 में पूर्व में कहा गया था, 2002 में गुजरात में गोधरा कांड के बाद हुए दंगों में 1,000 से अधिक लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर मुस्लिम थे।

संशोधन के बाद इस वाक्य को अब 2002 में गुजरात में गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के दौरान 1,000 से अधिक लोग मारे गए कर दिया गया है।

बदलाव के पीछे एनसीईआरटी का तर्क है, किसी भी दंगे में सभी समुदायों के लोगों का नुकसान होता है। यह सिर्फ एक समुदाय नहीं हो सकता।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के मुद्दे पर पहले की पाठ्यपुस्तक में कहा गया था, भारत का दावा है कि यह क्षेत्र अवैध कब्जे में है। पाकिस्तान इस क्षेत्र को आज़ाद पाकिस्तान के रूप में वर्णित करता है।।

भारतीय तटरक्षक बल ने 27 बांग्लादेशी मछुआरों को बचाया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय तटरक्षक बल ने उन 27 बांग्लादेशी मछुआरों को बचा लिया है जिनकी मछली पकड़ने वाली नौका स्टीयरिंग गियर टूटने के बाद भारतीय जल क्षेत्र में बहकर आ गई थी और वे सभी समुद्र में फंस गए थे। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को त्वरित बचाव अभियान चलाया गया। भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) बल ने एक बयान में कहा, चार अप्रैल को सुबह लगभग 11:30 बजे, भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पर गश्त के दौरान भारतीय तटरक्षक जहाज 'अमोघ' ने मछली पकड़ने वाली एक बांग्लादेशी नौका (बीएफबी) 'सागर-दो' को भारतीय जल क्षेत्र में बहते हुए देखा। इसके बाद आईसीजी के पोत ने जांच के लिए एक टीम गठित की।

चेन्नई सुपरकिंग्स को छह विकेट से सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया

इंडियन प्रीमियर लीग 2024

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद एडेन मार्कराम के अर्धशतक और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की 12 गेंद में 37 रन की विस्फोटक पारी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद(एसआरएच) ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में शुक्रवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को छह विकेट से हराया।

चेन्नई सुपरकिंग्स को पांच विकेट पर 165 रन पर रोकने के बाद सनराइजर्स ने 18.1 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की।

मार्कराम ने ट्रेविस हेड (24 गेंद में 31 रन) के साथ दूसरे विकेट लिए 42 गेंद में 60 रन की साझेदारी की। इससे पहले हेड और अभिषेक ने महज 17 गेंद में 46 रन की साझेदारी कर टीम को बेहद तेज शुरुआत दिलायी। मैन ऑफ द मैच अभिषेक ने इस दौरान दूसरे ओवर में मुकेश चौधरी के खिलाफ तीन छक्के और दो चौके लगाकर 27 रन बटोरे।

सीएसके के लिए मोईन अली ने दो जबकि दीपक चाहर और महीश तीक्षणा ने एक-एक विकेट लिये।

इससे पहले शिवम दुबे (45 रन) की ताबड़तोड़ पारी के बाद भी चेन्नई की टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। दुबे ने 24 गेंद की पारी में दो चौके और चार छक्के लगाये लेकिन टीम के अन्य बल्लेबाज तेजी से रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे। हैदराबाद के तेज गेंदबाजों ने धीमी गेंदों का शानदार इस्तेमाल कर सीएसके की रनगति को ज्यादा बढ़ने नहीं दिया। अजिंक्य रहाणे ने 30 गेंद 35 जबकि रविंद्र जडेजा ने 23 गेंद में नाबाद 31 रन बनाये। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 21 गेंद में 26 रन का योगदान दिया।

हैदराबाद के लिए टी नटराजन, भुवनेश्वर कुमार, पैट कमिंस, शाहबाज अहमद और जयदेव उनादकट ने एक-एक विकेट लिये।

लक्ष्य का पीछा करते हुए चाहर की दूसरी गेंद पर ही स्लिप में मोईन ने हेड का आसान कैच टपका दिया। इस बल्लेबाज ने ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर इसका जश्न मनाया। सत्र का पहला मैच खेल रहे मुकेश के खिलाफ अभिषेक ने 27 रन बटोर को चेन्नई को बैकफुट पर धकेल दिया। उन्होंने इसके बाद चाहर के खिलाफ भी छक्का और चौका जड़ा लेकिन एक और बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में जडेजा को कैच थमा बैठे। क्रीज पर आये मार्कराम ने तीक्षणा के खिलाफ दो चौके लगाये जबकि हेड ने छठे ओवर में तुषार देशपांडे के खिलाफ दो चौके लगाये जिससे पावरप्ले में टीम ने एक विकेट पर 78 रन बना लिये। मार्कराम ने नौवें ओवर में जडेजा पर छक्का और दो रन लेकर टीम के रनों का शतक पूरा किया।

एनबीएफसी में प्रणाली से जुड़ी कोई समस्या नहीं : दास

मुबई/भाषा। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने दो गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की व्यावसायिक प्रक्रियाओं पर सवाल उठने और उनके खिलाफ कार्रवाई होने के बाद कहा कि ऐसे ऋणदाताओं में प्रणाली से जुड़ी कोई समस्या नहीं है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद संवाददाता सम्मेलन में दास ने कहा कि पर्यवेक्षण के तहत हम सभी कंपनियों खासकर बड़े नामों की नियमित समीक्षा करते हैं। मैं यह नहीं कहना चाहता कि यह कोई प्रणालीगत समस्या है क्योंकि हमने सभी कंपनियों की निगरानी की है...''

इससे पहले उन्होंने कहा था कि देश का वित्तीय क्षेत्र ''स्थिर'' है। उन्होंने कहा कि यदि आरबीआई अधिकारियों को पर्यवेक्षण प्रक्रिया के दौरान कुछ गलत या गैर-अनुपालन मिलता है, तो पहला प्रयास सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए द्विपक्षीय स्तर पर इकाई के प्रबंधन को संवेदनशील बनाना है। नियामकीय कार्रवाइयों का कारण स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा, जहां हम देखते हैं कि समस्याएं बहुत बड़ी हैं, या समस्याएं लगातार बनी रहती हैं, तभी हम कार्रवाई करते हैं। गौरतलब है कि चार मार्च को आरबीआई ने आईआईएफएल फाइनेंस को तत्काल प्रभाव से स्वर्ण ऋण स्वीकृत या वितरित करने से रोकने के लिए कहा था। इसके बाद ऋण प्रशासन में मुद्दों को देखते हुए जेएम फाइनेंशियल को शेयरों तथा ऋणपत्र जारी करके ऋण देने से तुरंत रोक दिया था।

केंद्रीय बैंक ने बाद में दोनों कंपनियों का विशेष ऑडिट करने के लिए लेखा परीक्षकों की नियुक्ति के लिए निविदाएं आमंत्रित कीं। दास ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि 9,000 से अधिक पंजीकृत गैर-बैंकिंग ऋणदाता हैं और आरबीआई ने उनमें से केवल दो के खिलाफ कार्रवाई की है। उन्होंने कहा, इसलिए इसे कार्रवाइयों की झड़ी समझना सही नहीं होगा।

केरल में देशी बम बनाने के दौरान विस्फोट, एक की मौत व दूसरा घायल

कन्नूर/भाषा। केरल के कन्नूर जिले के उत्तरी हिस्से पनूर के पास देर रात को हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना आधी रात के बाद करीब एक बजे हुई। विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि विस्फोट देशी बम के निर्माण के दौरान हुआ। उन्होंने बताया कि काइवेलिक्कल की रहने वाली शेरिन की कोझिकोड के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, दूसरे घायल व्यक्ति विनेश की एक हथेली फट गई और उसकी हालत गंभीर है। ये दोनों घायल माकपा के समर्थक हैं। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने इस घटना के लिए सत्तारूढ़ माकपा को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि वाम दल अपने कार्यकर्ताओं का इस्तेमाल देशी बम बनाने में कर रहा है और चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब कर रहा है। सतीशन ने दो दिन पहले तिरुवनंतपुरम में हुई ऐसी ही एक घटना का हवाला देते हुए गृह विभाग के प्रभारी और केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से सवाल किया।

केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा में लेन-देन घटा, व्यक्तियों से कारोबारियों के बीच बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) लेन-देन संख्या दिसंबर 2023 में 10 लाख पार कर गई लेकिन उसके बाद इसमें कमी आई है। शंकर ने कहा कि प्रायोगिक आधार पर एक दिसंबर 2022 को सीबीडीसी पेश किए जाने के बाद से लेन-देन की कुल संख्या 2.2 करोड़ तक पहुंच गई है। इसमें प्रतिभागियों की संख्या 50 लाख हो गई है। उन्होंने कहा, संख्या पहले जैसी नहीं रही है, उसमें कमी आई है। एक दिन में 10 लाख का लक्ष्य लोकप्रिय यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) मंच के साथ जोड़े जाने जैसे उपायों के कारण पहले ही पूरा कर लिया गया था।

एक खबर के अनुसार बैंकों ने दिसंबर में डिजिटल रुपए का उपयोग कर कर्मचारी लाभ वितरित किए। इससे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को 10 लाख दैनिक लेनदेन के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिली।

शंकर ने कहा कि अभी सीबीडीसी में 46 लाख उपयोगकर्ता और चार लाख कारोबारी लेनदेन कर रहे हैं। जैसे-जैसे सीबीडीसी की स्वीकार्यता बढ़ रही है, व्यक्तियों और कारोबारियों के बीच (पी2एम) होने वाले लेनदेन में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, अधिक कारोबारियों के आने के साथ संख्या पी2पी (कारोबारियों के बीच) से पी2एम की ओर स्थानांतरित हो रही है।

शंकर ने यह भी कहा कि सीबीडीसी पर एक सुविधा शुक्रवार को शुरू हुई। विशेष रूप से तैयार इस सुविधा के तहत एक किसान को कृषि कच्चा माल खरीदने के लिए धन हस्तांतरित किए गए। उन्होंने कहा कि बैंक के भीतर एक उपयोगकर्ता समूह के बीच हाल में विकसित 'ऑफलाइन' सीबीडीसी उपयोग मामलों का परीक्षण जारी है। इसे बाद में लोगों के लिए शुरू किया जाएगा।

इससे पहले, आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए भुगतान सेवा प्रदाताओं समेत गैर-बैंक भुगतान प्रणाली संचालकों को इसके व्यापक इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने के लिए सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) वॉलेट का प्रस्ताव किया।

इस कदम से विभिन्न माध्यमों से लेनदेन व्यवस्थित करने के लिए सीबीडीसी मंच की मजबूती के परीक्षण की सुविधा मिलेगी।

विस्तारा को मई तक परिचालन सामान्य होने की उम्मीद : सीईओ कन्नन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुश्किलों में घिरी विमानन कंपनी विस्तारा को उम्मीद है कि मई तक उसका परिचालन सामान्य हो जाएगा। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विनोद कन्नन ने शुक्रवार को यह उम्मीद जताते हुए कहा कि पायलट रोस्टर में बदलाव से उड़ानों का परिचालन प्रभावित हुआ है। कन्नन ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि उड़ान परिचालन से जुड़े व्यवधानों को दूर किया जा रहा है और पायलटों की चिंताओं की भी समीक्षा की जा रही है। टाटा समूह की एयरलाइन ने पायलटों की कमी के कारण इस सप्ताह की शुरुआत में बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द की हैं। इसके अलावा उसे समग्र उड़ान परिचालन को अस्थायी रूप से कम करने के लिए भी मजबूर होना पड़ा।

एयरलाइन को पायलटों की नाराजगी की वजह से एक अप्रैल से चार अप्रैल के दौरान 125 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

कन्नन ने कहा कि अंतिम समय में उड़ानें रद्द करने की घटनाएं इस सप्ताहांत के बाद नहीं होंगी, क्योंकि पायलटों की कमी दूर की जा रही है। उन्होंने कहा, जहां तक उड़ानों का सवाल है तो हम सामान्य स्थिति में आ गए हैं... इस सप्ताहांत के बाद अंतिम समय में उड़ानें रद्द करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कन्नन ने कहा, सोमवार से तय योजना के अनुरूप निर्धारित उड़ानें संचालित होनी चाहिए। उन्होंने यात्रियों को भरोसा दिलाया कि अंतिम समय में उड़ानें रद्द नहीं की जाएंगी। कन्नन ने कहा कि परिचालन में की गई कटौती के तहत एयरलाइन ने 20-25 दैनिक उड़ानों को रद्द किया है।

न्यायालय ने लगाई उप्र मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर अंतरिम रोक

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर शुक्रवार को अंतरिम रोक लगा दी जिसमें उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को 'असंवैधानिक' और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करने वाला करार दिया गया था।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ याचिकाओं पर केंद्र, उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया। पीठ में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। पीठ ने कहा, मदरसा बोर्ड का उद्देश्य नियामक सरीखा है और प्रथम दृष्टया इलाहाबाद उच्च न्यायालय की यह बात सही नहीं प्रतीत होती कि बोर्ड का गठन धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन होगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय ने 2004 के अधिनियम के प्रावधानों के गलत अर्थ निकाले। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 22 मार्च को उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को ''असंवैधानिक'' और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करने वाला करार दिया था। उच्च न्यायालय ने साथ ही राज्य सरकार को वर्तमान छात्रों को औपचारिक स्कूल शिक्षा प्रणाली में समायोजित करने को कहा था।

अदालत ने यह आदेश अंशुमान सिंह राठौर नाम के व्यक्ति की याचिका पर दिया। याचिका में उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड की संवैधानिकता को चुनौती दी गई थी।

आयुर्वेद उत्पाद बाजार 2027-28 तक 1.2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली/भाषा। भारत का आयुर्वेद उत्पादों का बाजार वित्त वर्ष 2027-28 तक 16.27 अरब डॉलर यानी 1.2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। एक अध्ययन रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। आयुर्वेद प्रौद्योगिकी स्टार्टअप 'निरोगस्ट्रीट' ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्राकृतिक एवं हर्बल उपचार की बढ़ती मांग, आयुर्वेदिक चिकित्सकों की संख्या बढ़ने, सरकारी पहल और नए उद्यमियों के आने से आयुर्वेद उत्पाद बाजार तेजी से बढ़ रहा है। फिलहाल इसका बाजार सात अरब डॉलर यानी 57,450 करोड़ रुपए है।

निरोगस्ट्रीट ने एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि भारत में आयुर्वेद उत्पाद बाजार वित्त वर्ष 2027-28 तक 1,20,660 करोड़ रुपए (16.27 अरब डॉलर) तक पहुंच जाने की उम्मीद है।

सर्वेक्षण के मुताबिक, आयुर्वेदिक उत्पादों एवं सेवाओं का समग्र बाजार वित्त वर्ष 2022-23 से वित्त वर्ष 2027-28 तक 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि से बढ़ने का अनुमान है। इसमें उत्पाद क्षेत्र की वृद्धि दर 16 प्रतिशत जबकि सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 12.4 प्रतिशत रहने की संभावना है।

इंडिया गठबंधन की पार्टियां भ्रष्ट, खुद को बचाने के लिए एकजुट हुई हैं : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से बचने के लिए एक साथ आ गई है। चौहान ने कहा कि इंडी गठबंधन के घटक दल, जिनके राज्य स्तर के नेता चुनावी रणनीति पर चर्चा के लिए यहां मिले हैं, कलह कर रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, आप (निष्कासित कांग्रेस नेता) संजय निरुपम का बयान, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बयान और (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी के बयान सुन सकते हैं। वे सब आपस में लड़ रहे हैं। वे केवल खुद को बचाने के लिए एकजुट हो रहे हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या छह अप्रैल को स्थापना दिवस पर एक से डेढ़ लाख कांग्रेस पदाधिकारी भाजपा में शामिल होंगे, चौहान ने कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए समर्पित एक आंदोलन है।

विदिशा से लोकसभा चुनाव लड़ रहे चौहान ने कहा, इसलिए अगर कोई भाजपा में शामिल होना चाहता है, तो उसका स्वागत है। कांग्रेस के पास इसका विरोध करने का कोई आधार नहीं है। 'संविधान खतरे में है' टिप्पणी के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए चौहान ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान सुरक्षित हाथों में हैं। चौहान ने कहा, खतरे में एकमात्र इकाई कांग्रेस है। मैं आज एक प्रश्न पूछना चाहता हूं और कांग्रेस को इसका उत्तर देना होगा। मैं 17 साल का था और 11वीं कक्षा में पढ़ रहा था जब मुझे आपातकाल के दौरान जेल भेजा गया था। सरकार का नेतृत्व इंदिरा गांधी ने किया। किसने संविधान को नुकसान पहुंचाया और लोकतंत्र का गला घोंटा। नेताओं और निर्दोष बच्चों को जेल किसने भेजा।

भारत ने मालदीव को प्याज, चावल, आटा, चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध हटाया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने चालू वित्त वर्ष के दौरान मालदीव को अंडे, आलू, प्याज, चावल, गेहूं का आटा, चीनी और दाल जैसी कुछ वस्तुओं की निर्दिष्ट मात्रा के निर्यात पर प्रतिबंध शुक्रवार को हटा दिया।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत मालदीव को इन वस्तुओं के निर्यात की अनुमति दी गई है। मालदीव को अंडे, आलू, प्याज, चावल, गेहूं का आटा, चीनी, दाल, बजरी और नदी की रेत के निर्यात की अनुमति दी गई है... मालदीव को इन वस्तुओं के निर्यात को किसी भी मौजूदा या भावी प्रतिबंधों से छूट दी जाएगी। आमतौर पर इन वस्तुओं के निर्यात पर या तो पूरी तरह प्रतिबंध है या सीमित निर्यात की अनुमति दी जाती है। निर्यात के लिए निर्दिष्ट मात्रा में आलू (21,513.08 टन), प्याज (35,749.13 टन), चावल (1,24,218.36 टन), गेहूं का आटा (1,09,162.96 टन), चीनी (64,494.33 टन), दाल (224.48 टन), बजरी (10 लाख टन) और नदी की रेत (10 लाख टन) शामिल है।

कांग्रेस के बागी ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू को भेजा मानहानि का नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। कांग्रेस के छह बागियों में शामिल रहे सुधीर शर्मा ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को मानहानि का नोटिस भेजकर पांच करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग की।

शर्मा ने यह नोटिस सुक्खू के इस दावे के एक दिन बाद भेजा है कि कांग्रेस के छह बागी विधायक और तीन निर्दलीय विधायक 15-15 करोड़ रुपए में बिके थे।

राज्य के ऊना जिले में एक रैली के दौरान सुक्खू ने बृहस्पतिवार को कहा था कि कांग्रेस के बागी भ्रष्ट हैं और सलाखों के पीछे जाएंगे।

उन्होंने कहा था, हमारे पास पैसा नहीं है, लेकिन हमारे पास ईमानदारी, नैतिकता और लोगों का समर्थन है।

सुक्खू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के छह बागी और तीन निर्दलीय विधायक 15-15 करोड़ रुपए में बिक गए। उन्होंने कहा था, हमारे पास सबूत हैं, क्योंकि पुलिस जांच में तथ्य सामने आने लगे हैं और उन्हें सबक सिखाने का समय आ गया है।

मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी 27 फरवरी के राज्यसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन के पक्ष में मतदान करने वाले कांग्रेस के छह और तीन निर्दलीय विधायकों के खिलाफ की थी।

ये विधायक बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा ने विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस के छह बागी विधायकों को उनके संबंधित विधानसभा क्षेत्रों से टिकट दिए हैं।

नकली मुद्रा अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा : अदालत

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि नकली मुद्रा का प्रचलन अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है तथा अदालतों को ऐसे मामलों से सख्ती से निपटना चाहिए। उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी उस व्यक्ति को जमानत देने से इनकार करते हुए की जिसके घर से कथित तौर पर तीन लाख रुपए मूल्य के 2,000 रुपए के नकली नोट बरामद हुए थे। अदालत ने आरोपी को राहत देने से इनकार करते हुए अपराध की गंभीरता और उसके घर तथा दुकान से की गई बरामदगी पर गौर किया। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने कहा, नकली नोटों की आपूर्ति एवं प्रसार अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

जल्द ही बाहर आप सभी से मिलूंगा: सिसोदिया ने तिहाड़ जेल से लिखा पत्र

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया ने अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों को तिहाड़ जेल से एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने अपनी स्थिति की तुलना स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ अंग्रेजों द्वारा किए गए अत्याचारों से की है और शिक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता जतायी है।

दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में गिरफ्तार किए गए दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने यह उम्मीद भी जतायी कि वह जल्द ही जेल से बाहर आएंगे। उन्होंने कहा, जल्द ही आपसे बाहर मिलूंगा। अंग्रेज शासकों को भी सत्ता का अहंकार था और उन्होंने लोगों को झूठे मामलों में जेल भेजा था। महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला उनकी प्रेरणा हैं, जिन्होंने कई साल जेल में बिताए। सिसोदिया की जमानत पर शनिवार को दिल्ली की अदालत में सुनवायी होनी है। पूर्वी दिल्ली में विस क्षेत्र पटपड़गंज के लोगों को लिखे पत्र में, सिसोदिया ने कहा अच्छी शिक्षा और विद्यालयों के लिए उसी तरह संघर्ष चल रहा है, जैसे लोगों ने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया था। गिरफ्तारी से पहले केजरीवाल सरकार में शिक्षा मंत्री रह चुके सिसोदिया ने कहा, शिक्षा क्रांति जिंदाबाद। आप सभी को प्यार। सिसोदिया ने कहा कि जेल में रहने के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के प्रति उनका प्यार बढ़ गया है और वे उनकी ताकत हैं।

केकड़ा लटकाने पर पेटा ने विधायक रोहित पवार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

मुंबई/भाषा। पशु अधिकार संगठन 'पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल' (पेटा) ने हाल ही में विधायक रोहित पवार द्वारा संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक केकड़ा लटकाए जाने को लेकर निर्वाचन अधिकारियों और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार को पत्र लिखकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पेटा ने कहा कि उनका यह कृत्य पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, महाराष्ट्र आदर्श आचार संहिता के साथ ही निर्वाचन आयोग के निर्देशों का भी उल्लंघन है। शरद पवार और जिला निर्वाचन अधिकारी मीनल कालस्कर को लिखे पत्र में 'पेटा इंडिया' के शौर्य अग्रवाल ने कहा, वीडियो से स्पष्ट है कि श्री (रोहित) पवार द्वारा केकड़े का इस्तेमाल पूर्व नियोजित था।

केरल में 'बॉडी सर्फिंग' के दौरान हादसे में विदेशी की मौत

तिरुवनंतपुरम/भाषा। जिले के प्रसिद्ध वर्कला समुद्र तट पर 'बॉडी सर्फिंग' के दौरान दुर्घटना में 55 वर्षीय एक विदेशी की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि ब्रिटिश नागरिक रॉय 'बॉडी सर्फिंग' के बाद किनारे पर एक बड़ी लहर की चपेट में आ गए थे। 'बॉडी सर्फिंग' में सर्फ़बोर्ड जैसे किसी भी उत्प्लावन उपकरण की सहायता के बिना लहर की सवारी की जाती है। पुलिस ने कहा, रॉय पीछे से आई लहर की चपेट में आ गए, जिससे उनका सिर जमीन पर टकरा गया। उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

कारण बताओ नोटिस जारी करने पर आतिशी सवाल किया

निर्वाचन आयोग क्या भाजपा का 'सहायक संगठन' है?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता आतिशी ने शुक्रवार को 'कारण बताओ' नोटिस मिलने के बाद निर्वाचन आयोग (ईसी) पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या यह भाजपा का सहायक संगठन है। आतिशी को यह नोटिस उनकी इस टिप्पणी पर जारी किया गया था कि भाजपा ने उनसे संपर्क कर उन्हें या तो पार्टी में शामिल होने या एक महीने के भीतर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के लिए तैयार रहने के लिए कहा था।

आप नेता आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा उन्हें ईमेल के जरिए नोटिस भेजे जाने से एक घंटे पहले भाजपा ने इसे मीडिया में लीक कर दिया। उन्होंने सवाल किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और चुनाव से पहले कांग्रेस के बैंक खाते को 'फ्रीज' (लेनदेन पर रोक) किए जाने के बाद निर्वाचन आयोग ने संबंधित केंद्रीय एजेंसियों को नोटिस क्यों नहीं जारी किया। उन्होंने सवाल किया कि क्या निर्वाचन आयोग भाजपा का सहायक संगठन है ? उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा के आपत्तिजनक होर्डिंग और पोस्टर पर निर्वाचन आयोग को कई पत्र लिखे, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

आम आदमी पार्टी को एकजुट रखने के लिए सुनीता केजरीवाल सबसे बेहतर व्यक्ति हैं : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल वर्तमान परिस्थितियों में पार्टी को एकजुट रखने के लिए सबसे बेहतर व्यक्ति हैं और उनकी मौजूदगी का कार्यकर्ताओं पर ''सकारात्मक प्रभाव'' पड़ा है। दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री भारद्वाज ने यहां समाचार एजेंसी के मुख्यालय में 'पीटीआई' संपादकों के साथ बातचीत में कहा कि सुनीता केजरीवाल ने हमेशा कहा है कि वह दिल्ली के मुख्यमंत्री की ''मैसेंजर (संदेशवाहक)'' हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं। वह फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। भारद्वाज ने कहा कि किसी पार्टी की राजनीति सिर्फ उसके घोषणापत्र के इर्द-गिर्द नहीं घूमती है, बल्कि समर्थन आधार और कार्यकर्ताओं तथा शीर्ष नेतृत्व के बीच भावनात्मक संबंध भी किसी संगठन को एकजुट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आयुर्वेद, योग को आयुष्मान भारत में शामिल करने की याचिका स्वीकार करे केंद्र : अदालत

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्र से उस याचिका को प्रतिवेदन के तौर पर स्वीकार करने कहा, जिसमें आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा को राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य बीमा योजना 'आयुष्मान भारत' में शामिल करने का अनुरोध किया गया है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी एस आरोड़ा की पीठ ने प्रतिवेदन पर शीघ्रता से निर्णय लेने का निर्देश देने के बाद जनहित याचिका का निस्तारण कर दिया।

उच्च न्यायालय ने याचिका बरकरार करने की याचिकाकर्ता की अर्जी स्वीकार कर ली और मंत्रालय से इसे प्रतिवेदन के रूप में स्वीकार करने को कहा। अदालत ने आयुष मंत्रालय द्वारा दाखिल हलफनामे पर गौर करते हुए यह आदेश जारी किया। हलफनामे में कहा गया है कि भारतीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करने के लिए कदम उठाने के वास्ते स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ समन्वय किया जा रहा है। पिछले साल, उच्च न्यायालय ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, वित्त और गृह मंत्रालय तथा दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया था तथा उनसे याचिकाकर्ता-अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका पर अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा था।

प्रधानमंत्री पद का फैसला 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल करेंगे : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी होने के बाद शुक्रवार को कहा कि यह देश, लोकतंत्र एवं संविधान बचाने का चुनाव है तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की तरफ से प्रधानमंत्री कौन होगा, इस बारे में चुनाव में जीत के बाद घटक दल मिलकर फैसला करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास करने वालों और संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा करने का प्रयास करने वालों के बीच है। राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, यह चुनाव बुनियादी रूप से अलग है। मुझे नहीं लगता कि संविधान और लोकतंत्र को इतना खतरा पहले कभी था जितना आज है।

उन्होंने दावा किया, एक तरफ, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संविधान और लोकतंत्र पर आक्रमण कर रहे हैं, संस्थाओं पर कब्जा कर रहे हैं। दूसरी तरफ 'इंडिया' गठबंधन है जो लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा करने के लिए है... यह देश, संविधान और लोकतंत्र बचाने का चुनाव है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, यह समझना होगा कि हिंदुस्तान के राजनीतिक ढांचे में क्या हो रहा है। आरएसएस, भाजपा और खासकर नरेन्द्र मोदी जी ने क्या बुनियाद बनाई है, सबसे पहले यह समझना होगा। जैसे विभिन्न कारोबारी क्षेत्रों में अडाणी का एकाधिकार है, उसी तरह नरेन्द्र मोदी ने 'पॉलिटिकल फाइनेंस'' (राजनीतिक वित्तपोषण) का एकाधिकार बना लिया है। उन्होंने दावा किया कि यह एकाधिकार सीबीआई और ईडी जैसी तमाम संस्थाओं पर कब्जा करके कायम किया गया है।

राहुल गांधी के अनुसार, यह सारी जानकारी चुनावी बॉण्ड के जरिये सामने आ गई है। उन्होंने दावा किया, नरेन्द्र मोदी ने पूरे विपक्ष को चुनावी बॉण्ड के जरिये एक 'चार्जशीट' पकड़ा दी है। इसलिए नरेन्द्र मोदी को थोड़ा डर लग रहा है। ऐसे में वह 400 पार की बात कर रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि कहीं 180 या 160 हुआ तो नैया डूब जाएगी।

प्रचार : शुक्रवार का कोयंबटूर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत कांगेयनपालयम, गदामबाड़ी, समलापुरम, सोमनूर, करुमथमपट्टी क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करते हुए भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष व क्षेत्र के प्रत्याशी अन्नामलाई ने लोगों से कमल के निशान पर वोट मांगे।

छह अप्रैल को प्रसाद लैब में संस्कृत फिल्म 'ताया' का विशेष प्रदर्शन होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सेवानिवृत्त संस्कृत प्रोफेसर जी. प्रभा द्वारा निर्देशित संस्कृत फिल्म 'ताया' का एक विशेष प्रदर्शन छह अप्रैल को शाम छह बजे सालिग्रामम में प्रसाद फिल्म लैब में आयोजित किया जाएगा। चेन्नई के लोयला कॉलेज में प्राचीन भाषा विभाग के पूर्व प्रमुख प्रभा ने कहा यह संस्कृत भाषा में दूसरी फिल्म है जो 2022 में रिलीज हुई थी और यह (फिल्म) महोत्सव में काफी सराही गई। यह दिवंगत अभिनेता नेदुमुदी वेणु की आखिरी फिल्म भी है।

प्रभा ने कहा संस्कृत में पहली फिल्म का नाम 'आदि शंकराचार्य' था, जिसे 1983 में कन्नड़ निर्देशक जी.वी. अय्यर ने बनाया था। उन्होंने कहा मैं संस्कृत में सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करने वाला पहला व्यक्ति हूं। संस्कृत क्योंकि एक पौराणिक भाषा है, इसलिए संस्कृत में फिल्में भी हमारी प्राचीन परंपराओं का अन्वेषण करती हैं।

कैंडिडेट्स शतरंज : प्रज्ञानानंदा ने फिरोजा को ड्रॉ पर रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/टोरंटो। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांस के फिरोजा अलीरजा से ड्रॉ खेला जबकि डी गुकेश को विदित गुजराती ने ड्रॉ पर रोका। पुरूष वर्ग में पहले दिन चारों मुकाबले ड्रॉ रहे जबकि महिला वर्ग में जोंग्यी तान ने हमवतन टी लेइ को हराया। भारत की आर वैशाली ने हमवतन कोनेरू हम्पी को ड्रॉ पर रोका। रूस की अलेक्जेंड्रा गोरियाश्किना ने कैटरीना लागनो से ड्रॉ खेला। वहीं बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा ने अन्ना मुजिचुक को ड्रा. पर रोका।

पुरूष वर्ग में फेबियानो कारूआना और हिकारू नकामूरा का मुकाबला ड्रॉ रहा जबकि अजरबैजान के निजात अबासोव ने रूस के इयान नेपोमनियाश्ची को ड्रा पर रोका।

तमिलनाडु के मंत्री की याचिका पर उच्चतम न्यायालय आठ अप्रैल को सुनवाई करेगा

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह भ्रष्टाचार के एक मामले में मुकदमा चलाने के मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली तमिलनाडु के ग्रामीण विकास मंत्री आई. पेरियासामी की याचिका पर आठ अप्रैल को सुनवाई करेगा। पेरियासामी के वकील द्वारा तत्काल सुनवाई की अपील के बाद न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि वह इस मामले पर सोमवार को सुनवाई करेगी।

वकील राम शंकर के माध्यम से दायर एक आवेदन में, पेरियासामी ने चेन्नई की एक अदालत के समक्ष भ्रष्टाचार के मामले में मुकदमे को स्थगित करने और व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देने के लिए शीर्ष अदालत से निर्देश देने का अनुरोध किया। मंत्री ने उच्च न्यायालय के 26 फरवरी के आदेश के खिलाफ अपील की है, जिसने अधीनस्थ अदालत के 17 मार्च, 2023 के आरोपमुक्त करने वाले आदेश को रद्द कर दिया था। शीर्ष अदालत ने 18 मार्च को कहा था कि याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 197 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 19(1) के तहत उसके अभियोजन के लिए पूर्व मंजूरी राज्य के राज्यपाल से प्राप्त करना आवश्यक था, जो कानून के तहत ऐसी अनुमति देने के लिए सक्षम प्राधिकारी हैं।

उच्च न्यायालय ने मोदी के रोड शो से जुड़े मामले को लेकर स्कूल प्रबंधन को दी गई राहत की अवधि बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने यहां हाल में हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोड शो के सिलसिले में दर्ज मामले को लेकर एक निजी स्कूल प्रबंधन पर कोयंबटूर नगर पुलिस द्वारा किसी भी दंडात्मक कार्रवाई' के खिलाफ संरक्षण की अवधि बढ़ा दी है। पुलिस ने तमिलनाडु के पश्चिमी शहर में 18 मार्च को प्रधानमंत्री के एक कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों की मौजूदगी को लेकर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

न्यायमूर्ति जी जयचंद्रन ने बृहस्पतिवार को अपने अंतरिम आदेश में कहा, दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का इस अदालत द्वारा 28 मार्च 2024 को जारी संरक्षण आदेश अगले आदेशों तक जारी रहेगा। मध्य विद्यालय की

प्रधानाचार्य द्वारा दायर की गई याचिका की सुनवाई करते हुए अदालत ने कई सवाल पूछे। याचिका में, जिला बाल संरक्षण अधिकारी की एक शिकायत के आधार पर 19 मार्च को दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया गया है।

अदालत ने यह जानना चाहा कि किशोर न्याय देखभाल और बाल संरक्षण अधिनियम की धारा 75 मौजूदा मामले में कैसे लागू होती है। धारा 75 बच्चों से क्रूरता के लिए सजा से संबंधित है। यह बच्चों को अनावश्यक मानसिक या शारीरिक कष्ट पहुंचने पर तीन साल तक की जेल की सजा का प्रावधान करती है। न्यायाधीश ने विषय की अगली सुनवाई आठ अप्रैल के लिए निर्धारित कर दी और विधि अधिकारी को उस दिन विषय पर दलील पेश करने के लिए अदालत में तैयारी के साथ आने का निर्देश दिया।

आईसीजी ने चेन्नई में समुद्र में फंसे मछुआरों को बचाया

चेन्नई। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने गुरुवार को चेन्नई तट से लगभग 95 समुद्री मील दूर बीच समुद्र में फंसे दस मछुआरों में से आठ को बचा लिया, जबकि उनमें से एक की मौत हो गई और दूसरा लापता हो गया। यहां एक रक्षा विज्ञप्ति में कहा गया है कि मछली पकड़ने वाली नाव में चालक दल के कुल 10 सदस्यों में से आठ को तटरक्षक बल द्वारा समन्वित अभियान में जीवित बचा लिया गया। एक मछुआरा लापता है, जिसकी तलाश जारी है। गंभीर हालत में बचाए गए एक मछुआरे को बचाया नहीं जा सका। नाव में पहले छेद के कारण पानी भर गया था। घटना की सूचना मिलने के बाद, तटरक्षक बल ने मछली पकड़ने वाली नौका को बचाने के लिए पास से गुजर रहे व्यापारिक जहाजों का मार्ग बदल दिया। बाद में तटरक्षक जहाज सी-440 बचाए गए मछुआरों को चेन्नई बंदरगाह पर लाया।

बेंगलूरु में शुक्रवार को भारत जोड़ो सभागार में केपीसीसी अभियान समिति की बैठक में केपीसीसी के नए कार्यकारी अध्यक्ष विनय कुमार सोराके, तनवीर सेठ और जीसी चन्द्रशेखर का स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार आदि की उपस्थिति उन्हें पदभार ग्रहण करवाया गया।

'सभी विधायक व नेता कमर कस लें और तैयारी करें'

कांग्रेस ने 20 सीट जीतने का लक्ष्य रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी के कार्यालय में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पार्टी विधायकों और नेताओं को चेतावनी दी है कि उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी को मिले विजयी वोट भी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों को मिलने चाहिए। जो वोट पार्टी को मिले हैं वह इस समय भी मिले इसका पूरा ध्यान रखा जाए। आज दिन भर विभिन्न स्तर के नेताओं की दिनभर बैठक हुई और उम्मीदवारों को जिताने का लक्ष्य नेताओं और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने सभी नेताओं को कहा कि वह अपने अपने क्षेत्रों में चुनावी दौरा करें।

बैठक में इस बात पर निर्णय लिया गया कि राज्य की 28 सीटों में से कम से कम 20 सीटें जीतनी चाहिए। विधानसभा चुनाव में हमने जो हासिल किया वह यहां भी दिखना चाहिए। विधानसभा चुनाव में हमें जो वोट मिले थे, उसके अतिरिक्त और अधिक वोट पाने का कार्यक्रम बनाएं। पार्टी के शीर्ष नेताओं ने चेताया कि यदि आप इसमें विफल रहे तो भविष्य में पार्टी से कोई भी सत्ता मांगने का अधिकार खो देंगे, पार्टी द्वारा आपको काली सूची में डाल दिया जाएगा।

पहले चरण में जिन 14 सीटों पर चुनाव होना है, उनके लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, दूसरा चरण शुरू होने वाला है, आपके पास समय है, अभी से तैयारी कर लीजिए। प्रत्याशी और नेता अपना समय बर्बाद न करें, सरकारी कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाएं और कार्यकर्ताओं में उत्साह पैदा करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं, शिवकुमार और अन्य नेता कोलार के कुरुदुमाला में गणेश की पूजा करके वहां से चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे।

कांग्रेस पार्टी ने राज्य के सभी 28 लोकसभा क्षेत्रों में नेता अलग-अलग टीमों में पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। इसमें दिल्ली के नेता शामिल होंगे, आप अपने निर्वाचन क्षेत्रों में आराम न करें और पार्टी उम्मीदवारों की जीत के लिए खड़े रहें। पूर्व मंत्री शंकर और कुछ अन्य नेताओं को पार्टी में शामिल कराने के बाद उन्होंने दूसरे चरण के सभी विधानसभा क्षेत्रों के नेताओं के साथ बैठक की। कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किये गये तनवीर सेठ, विनयकुमार सोरके, जीसी चन्द्रशेखर, विनय कुलकर्णी, मंजूनाथ भंडारी, वसंतकुमार ने पदभार ग्रहण समारोह में भाग लिया।

चुनाव को लेकर महिला कांग्रेस के पदाधिकारियों के साथ बैठक करने वाले नेताओं ने लोकसभा चुनाव जीतने का लक्ष्य दिया। इस मौके पर विनय कुलकर्णी, मंजूनाथ भंडारी, वसंत कुमार, मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, एमबी पाटिल, ईश्वर खंड्रे, जमीर अहमद खान और अन्य नेताओं ने भाग लिया। समारोह में अनेक वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

आईटी क्षेत्र में भारतीय प्रतिभाएं भारत में नौकरियां लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी : ठाकुर

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने पूर्व की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार पर भ्रष्टाचार और घोटालों में लिप्त रहने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र ने 2047 तक देश को 'विकसित भारत' बनाने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय मंत्री ने बृहस्पतिवार को यहां आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) पेशेवरों को संबोधित करते हुए कहा, ''आईटी का मतलब 'इंडिया टुमॉरो' है और भारत के लिए कल का लक्ष्य क्या है? लक्ष्य, 2047 तक देश को 'विकसित भारत' बनाने का है।''

ठाकुर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि 10 वर्ष पहले हमारे देशवासियों को भ्रष्ट कांग्रेस पार्टी और उसके गठबंधन सहयोगियों के चंगुल से खुद को मुक्त करने के बारे में सोचना भी मुश्किल हो रहा था, जहां एक के बाद एक घोटाले हो रहे थे।''

उन्होंने संप्रग सरकार के दौरान हुए विभिन्न घोटालों का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी याददाश्त कमजोर है इसलिए हम कभी-कभी भूल जाते हैं, खासकर 18 से 22 साल की उम्र के वे लोग जो उस वक्त केवल आठ और 10 साल के थे।

ठाकुर ने कहा, ''उन्हें 2जी घोटाले या सीडब्ल्यूजी घोटाले के बारे में जानकारी नहीं है। उन्हें अगस्ता वेस्टलैंड, कोयला घोटाले और उस सब के बारे में नहीं पता।''

सिद्दरामैया के प्रशासन और अनुभव में बड़ा अंतर है

कांग्रेस नेता सीटें सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के प्रशासन और उनके अनुभव में बड़ा अंतर है। पूर्व मुख्यमंत्री और हावेरी-गदग लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार बसवराज बोम्मई ने कहा कि इन दस महीनों में सिद्दरामैया का कुशासन जगजाहिर हो रहा है। बोम्मई ने हावेरी जिले के हनागल तालुक के बोम्मनहल्ली गांव में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ एक खुली अभियान बैठक की और मतदाताओं से प्रचार किया।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में एक ही सरकार है। लेकिन सिद्दरामैया का अनुभव सिद्दरामैया की इस सरकार से अलग है। सिद्धारमन्ना की इस कांग्रेस सरकार में किसी भी विभाग में छोटा सा भी काम नहीं हुआ है। ग्रामीण विकास में कोई काम नहीं हुआ। ये कांग्रेस सरकार जनता का काम नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी भी विभाग में विकास नहीं हुआ है। इस कांग्रेस सरकार ने गारंटी योजनाओं के लिए कभी भी उचित वित्तीय व्यवस्था नहीं की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिना उचित व्यवस्था किए गारंटी देगी। हालाँकि, उन्होंने मौजूदा वित्त पर अपना हाथ रखा है और गारंटी दी है। इस कांग्रेस सरकार के खजाने में एक पैसा भी नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि उनका खजाना खाली है।

इस सरकार में लोगों के काम के लिए समय नहीं है। लेकिन, वे लोगों के लिए काम करने के बजाय अपनी सीट सुरक्षित करने के लिए दौड़ रहे हैं। कांग्रेस में कुछ मंत्रियों के लिए लोकसभा चुनाव में मौका नहीं दिया है क्योंकि, इन 5 गारंटी के साथ-साथ सिद्दरामैया सरकार को उम्मीदवारों को हराने की भी गारंटी है। मोदी के दोबारा प्रधानमंत्री बनते ही इस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो जायेगी। उन्होंने कहा कि 6 महीने या 1 साल के अंदर इस कर्नाटक राज्य में विधानसभा चुनाव आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि जब भी यह कांग्रेस सरकार आती है तो सूखे की गारंटी होती है, भ्रष्टाचार की गारंटी होती है, शून्य विकास की गारंटी होती है। बसवराज बोम्मई ने भविष्यवाणी की कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार भी एक गारंटी है।

'भाजपा के साथ गठबंधन इस पर निर्भर करेगा कि हमारे साथ कैसा व्यवहार होता है'

मंड्या। जनता दल (सेक्युलर) के नेता एच डी कुमारस्वामी ने कहा है कि वह लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के बेहतर प्रदर्शन के लिए ईमानदारी से काम कर रहे हैं और चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन जारी रखना इस पर निर्भर करेगा कि उनकी पार्टी और उनके नेताओं के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मौका मिलने पर और अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उन पर भरोसा हो तो वह राजग के केंद्र में सत्ता में वापस आने पर कृषि मंत्री बनना चाहेंगे।

दस साल में किया गया काम तो केवल ट्रेलर है, अभी बहुत कुछ करना है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चूरू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार के बीते दस साल के काम को महज एक 'ट्रेलर' (नमूना) बताते हुए शुक्रवार को कहा कि अभी तो बहुत कुछ करना बाकी है तथा देश को बहुत आगे लेकर जाना है। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि वे सिर्फ अपना हित देखते हैं, उन्हें गरीब, दलित, शोषित-वंचित वर्ग के कल्याण से, उनके सम्मान से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि सेनाओं का अपमान और देश का विभाजन कांग्रेस की पहचान है।

मोदी चूरू में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी देवेंद्र झाझड़िया के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केंद्र में अपनी सरकार के दस साल के कार्यकाल की तुलना रेस्टोरेंट में मुख्य भोजन से पहले परोसे जाने वाले 'ऐपेटाइजर' और फिल्म के ट्रेलर से की। उन्होंने कहा, जीवन के हर पड़ाव पर भाजपा सरकार गरीब के साथ खड़ी है। जो काम इतने दशक में नहीं हुए वे हमने दस साल में कर दिखाए। इसलिए मैं कहता हूं कि जब नीयत सही तो नतीजे सही होते हैं। मोदी ने कहा, दस साल में जो हुआ... लोग तो कहते हैं कि बहुत कुछ हुआ। पहले की सरकारों की तुलना में बहुत कुछ हुआ। लेकिन मोदी के मन की बात मैं आज चुरू में बता देता हूं .... जो अब तक हुआ है वह तो ट्रेलर है ट्रेलर।

उन्होंने 'ऐपेटाइज़र' का जिक्र करते हुए कहा, ये जो मोदी ने किया है न, वह तो ऐपेटाइजर है ऐपेटाइज़र... अभी तो पूरी खाने की थाली बाकी है। बहुत कुछ करना है भाइयो। बहुत सारे सपने हैं। हमें देश को बहुत आगे लेकर जाना है। कांग्रेस व 'इंडिया' गठबंधन पर हमला बोलते हुए मोदी ने कहा, सेनाओं का अपमान, देश का विभाजन ये कांग्रेस पार्टी की पहचान है। जब तक 'इंडी' एलायंस के लोग सत्ता में रहे उन्होंने हमारे जवानों के हाथ बांधकर रखे। दुश्मन हमला करके चला जाता था। ये हमारे जवानों को जवाब देने

की इजाजत नहीं देते थे। हमारे जवान 'वन रैंक वन पेंशन' की मांग करते थे। कांग्रेस ने इसे भी पूरा नहीं होने दिया। हमारी सरकार बनी तो हमने सैनिकों को 'वन रैंक वन पेंशन' का अधिकार भी दिया और सीमा पर पलटवार करने की खुली छूट भी दी। उन्होंने कहा, आज दुश्मन को भी पता है कि यह मोदी है, यह नया भारत है। यह नया भारत घर में घुसकर मारता है। प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस और इंडी गठबंधन वाले सिर्फ अपना हित देखते हैं। इन्हें गरीब, दलित, शोषित-वंचित के कल्याण से, उनके सम्मान से कोई मतलब नहीं है। ये वही लोग हैं जिन्होंने कभी बाबा साहेब अंबेडकर का सम्मान नहीं किया। मोदी ने कहा, देश हित से भी ज्यादा कांग्रेस ने हमेशा तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी है। ये वे लोग हैं जिन्होंने अदालत में जाकर कहा था कि प्रभु राम तो काल्पनिक हैं। उन्होंने कहा, भाजपा जो कहती है वह जरूर करती है और यह दूसरे दलों की तरह केवल घोषणापत्र जारी नहीं करती। हम तो संकल्प पत्र लेकर आते हैं। 2019 में हमने जो संकल्प पत्र जारी किया था उसके ज्यादातर संकल्प पूरे हो चुके हैं। कश्मीर में धारा 370 खत्म हो चुकी है, तीन तलाक पर कानून हमारी मुस्लिम बहनों की मदद कर रहा है। लोकसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण का कानून भी संसद ने पारित कर दिया है। मोदी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दस साल में एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त की है। उन्होंने कहा, आज पूरा देश विकसित भारत के संकल्प पर काम कर रहा है और इसमें राजस्थान की बहुत बड़ी भूमिका है। जब राजस्थान विकसित होगा तो भारत भी विकसित होगा। बीते दस साल में मोदी ने देश में जो काम किए हैं उन्होंने विकसित भारत की नींव तैयार कर दी है। आज पूरी दुनिया हैरान है कि भारत इतनी तेजी से कैसे विकास कर रहा है।

मोदी ने कहा किजीवन के हर पड़ाव पर भाजपा सरकार गरीब के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा, जो काम इतने दशक में नहीं हुए वो हमने दस साल में करके दिखाए। इसलिए मैं कहता हूं कि जब नीयत सही तो नतीजे सही होंगे। हताशा-निराशा जैसी चीजें मोदी के पास भी नहीं फटक सकतीं और मैंने तय किया कि हालात बदलने ही होंगे। और मेरे लिए तो मेरा भारत मेरा परिवार है।

उन्होंने राजस्थान को पराक्रम, परिश्रम एवं वीर माताओं की धरती बताते हुए कहा कि इसीलिए राजस्थान जो ठान लेता है वह पत्थर की लकीर बन जाता है और यही जलवा मेरे सामने दिख रहा है। उन्होंने कहा कि पूरा राजस्थान कह रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि एक नरेन्द्र दिल्ली से देवेन्द्र के लिए आर्शीवाद मांगने आया हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रत्याशी देवेन्द्र झाझड़िया ने भी सभा को संबोधित किया।

पुलिस रख रही है सोशल मीडिया मंचों पर निगाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर राजस्थान में पुलिस की विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर भी निगाह है और मुख्यालय के स्तर से 'फेक न्यूज' एवं 'हेट स्पीच' के लिए इन मंचों पर विशेष निगरानी की जा रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य के किसी भी जिले में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 'फेक न्यूज एवं हेट स्पीच' के प्रकरण सामने आने पर उनको हटाने के लिए राजस्थान पुलिस के स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) के महानिरीक्षक द्वारा 'टेक डाऊन नोटिस' की कार्रवाई की जाएगी।

राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 एवं सूचना प्रौद्योगिकी (इंटरमीडियरी दिशा निर्देश एवं डीजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियम, 2021 के तहत कानून या किसी भी अधिनियम का उल्लंघन करने वाले को 'टेक डाउन नोटिस' जारी करने के लिए राजस्थान पुलिस के महानिरीक्षक, एससीआरबी प्राधिकृत अधिकारी है। पुलिस महानिरीक्षक (एससीआरबी) शरत कविराज ने एक बयान में बताया कि ब्यूरो की ओर से राज्य के सभी जिलों के जिला पुलिस अधीक्षकों तथा जयपुर और जोधपुर के पुलिस उपायुक्तों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वे जिला सोशल मीडिया नोडल अधिकारियों एवं जिला निगरानी प्रकोष्ठ के बीच समन्वय रखते हुए 'फेक न्यूज और हेट स्पीच' के प्रकरणों पर कड़ी निगरानी रखें, और ऐसे मामले प्रकाश में आने पर संबंधित पोस्ट को हटाने के लिए त्वरित कार्रवाई करें। एक सरकारी बयान के अनुसार सभी जिलों में पुलिस तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के अधिकारियों के नेटवर्क के साथ समन्वय करते हुए सोशल मीडिया पर फेक न्यूज और हेट स्पीच के मामलों की निगरानी की जा रही है। इसके अलावा जिलों से प्रतिदिन सोशल मीडिया मंच एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब और कू आदि पर 'फेक न्यूज और हेट स्पीच' की सूचनाएं, प्रसारित कंटेंट के लिंक सहित निर्धारित फॉर्मेट में एससीआरबी को भेजने के भी निर्देश दिए गए हैं।

राजस्थान में 5.35 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के लिये कुल पांच करोड़ 35 लाख से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें से 1.40 करोड़ सर्विस वोटर हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के सभी 25 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की प्रकाशित मतदाता सूचियों के अनुसार कुल पांच करोड़ 35 लाख आठ हजार 10 मतदाता पंजीकृत हैं और इनमें से एक करोड़ 40 लाख 907 सर्विस वोटर हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राज्य में पिछले लोकसभा चुनाव (2019) के मुकाबले कुल मतदाताओं की संख्या में 45 लाख 51 हजार 376 की वृद्धि हुयी है। 2019 के आम चुनाव के दौरान चार करोड़ 89 लाख 56 हजार 634 मतदाता पंजीकृत थे। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी 25 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से पाली में सर्वाधिक 23 लाख 48 हजार 274 मतदाता पंजीकृत हैं। दौसा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में सबसे कम 19 लाख तीन हजार 520 मतदाता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2019 के मुकाबले कुल 45.5 लाख मतदाताओं की वृद्धि हुई है।

स्कूल ने नाम काट दिया तो बोर्ड परीक्षाएं नहीं दे पाई दुष्कर्म पीड़िता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले के एक निजी स्कूल के प्रशासन ने 12 वीं कक्षा की छात्रा और कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म की पीड़िता का नाम स्कूल से काट दिया, जिसके चलते पीड़िता बोर्ड परीक्षा नहीं दे सकी है। नाबालिग छात्रा एक निजी स्कूल में 12वीं कक्षा की छात्रा है। पिछले साल अक्टूबर में उसके साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी। घटना के बाद स्कूल प्रशासन ने उसे घर पर रहने के लिए कहा और स्कूल से उसका नाम काट दिया।

पीड़िता का आरोप है कि पिछले साल अक्टूबर में सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद स्कूल के प्रिंसिपल ने उसे स्कूल न आने के लिए कहा था। आरोप है कि प्रिंसिपल ने कहा था कि उसके आने से स्कूल का माहौल खराब होगा। बाद में उसका नाम भी काट दिया गया और स्थानांतरण प्रमाणपत्र (टीसी) जारी कर दिया और जिसके कारण वह बोर्ड परीक्षा में शामिल नहीं हो सकी।

नाबालिग ने अपने पिता के साथ चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से अजमेर की जिला बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष अंजलि शर्मा से बृहस्पतिवार को मुलाकात कर उन्हें मामले की जानकारी दी। शर्मा ने शिकायत को जिला कलेक्टर और शिक्षा विभाग को भेज दिया। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा मामले की जांच शुक्रवार को की गई। जांच में पता चला कि छात्रा (पीडिता) को नियमों के विरुद्ध ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) जारी किया गया था और उसका नाम कट जाने के कारण वह बोर्ड परीक्षा नहीं दे सकी। शर्मा ने बताया, 'छात्रा के साथ पिछले साल अक्टूबर में कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया था और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। पीड़िता ने बताया कि घटना के बाद स्कूल के प्रिंसिपल ने उससे कहा कि वह स्कूल न आए क्योंकि इससे स्कूल का माहौल खराब हो जाएगा। लड़की स्कूल नहीं गई।'

उन्होंने बताया कि दिसंबर में अर्धवार्षिक परीक्षाओं से पहले जब छात्रा ने स्कूल से संपर्क किया, तो उसे बताया गया कि 'उसका नाम काट दिया गया है। वह बोर्ड परीक्षा में शामिल नहीं हो सकी। वह मेधावी छात्रा है। हमे उम्मीद है कि उसे आने वाले दिनों में पूरक परीक्षाओं के दौरान बोर्ड परीक्षाओं में बैठने की अनुमति दी जाएगी।' मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी ओम शंकर वर्मा ने कहा कि शिक्षा विभाग की एक टीम ने शुक्रवार को जांच की और पाया कि स्कूल ने नियमों के खिलाफ टीसी जारी की। उन्होंने कहा, स्कूल ने उसका नाम काट दिया और उसे ज़बरदस्ती टीसी जारी कर दी। यह मानदंडों के खिलाफ था।'' उन्होंने कहा कि मामले में आगे की कार्रवाई के लिए जांच रिपोर्ट निदेशक को भेज दी जायेगी।

जयपुर में कांग्रेस की रैली शनिवार को, खरगे व सोनिया गांधी भी भाग लेंगे

जयपुर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और अन्य नेता शनिवार को जयपुर में पार्टी की चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। पार्टी के एक प्रवक्ता ने बताया, 'सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे कल जयपुर में बड़ी जनसभा करेंगे और लोगों को पार्टी के घोषणापत्र के बारे में बतायेंगे।

कल की जनसभा को लेकर कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है। यह रैली जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में होगी।''

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस मामले में 'एक्स' पर लिखा, ''न्याय की गारंटी देने वाले कांग्रेस के घोषणापत्र न्याय पत्र को लॉन्च करने के लिए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कल जयपुर पधार रहे हैं।'

प्रथम चरण के 12 लोकसभा क्षेत्रों के लिए शुरू हुई होम वोटिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा आमचुनाव-2024 के तहत राज्य में प्रथम चरण के 12 लोकसभा क्षेत्रों में शुक्रवार को होम वोटिंग की शुरूआत हुयी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि 85 वर्ष से अधिक आयुवर्ग और 40 फीसदी से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा होम वोटिंग की सुविधा दी गयी है। इसी के तहत लोकतंत्र के इस महापर्व में बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाता घर बैठे उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं।

जयपुर के बनीपार्क निवासी श्रीमती कमला देवी ने बताया कि 93 वर्ष आयु होने के कारण वह मतदान

करने से परहेज करने लगी थी उन्हें चलने और खड़े रहने में समस्या का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की इस मानवीय पहल से मैं आज घर पर बैठे-बैठे अपने मताधिकार का प्रयोग कर पा रही हूँ। कमला देवी ने मतदान के बाद अपनी खुशी बयां करते हुए कहा कि इस नवाचार से चुनावों के प्रति बुजुर्गों में भी एक नई उर्जा का संचार होगा। होम वोटिंग के पहले दिन 87 वर्षीय एन. आर. माथुर ने भी होम वोटिंग की सुविधा का लाभ उठाया। जैसे ही होम वोटिंग के लिए मतदान दल उनके निवास पर पहुंचे उनकी खुशी का ठिकाना न रहा। उन्होंने मतदान कर कहा कि मन प्रफ्फुलित है कि निर्वाचन आयोग मतदान स्थल को हमारे घर तक पहुंचा कर हमारा मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि मतदान स्थल दूर होने के कारण उन्हें कई प्रकार की असुविधा होती थी। अब होम वोटिंग की सुविधा के कारण वह घर बैठे ही वोट दे पा रहे हैं। प्रथम चरण के लोकसभा क्षेत्रों में होम वोटिंग के लिए मतदान की प्रक्रिया 5 से 13 अप्रैल तक चलेगी। किसी कारण से मतदाता के होम वोटिंग के लिए अनुपस्थित या वंचित रह जाने पर दूसरा चरण 15 से 16 अप्रैल के बीच होगा।

डोटासरा ने शिक्षा मंत्री दिलावर पर किया पलटवार

दिलावर खो चुके मानसिक संतुलन, बयान पर करूंगा कानूनी कार्रवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के पेपरलीक मामले में डोटासरा और गहलोत के जेल जाने के बयान पर पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा ने पलटवार करते हुए कहा है कि दिलावर अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उनके बयान पर वकील से राय लेकर कानूनी कार्रवाई करूंगा। मीडिया से बात करते हुए डोटासरा ने कहा कि दिलावर मानसिक संतुलन हो चुके हैं। वे ऐसे शिक्षा मंत्री हैं जो शिक्षा के अलावा सब कुछ बोलते हैं। जिसको गालियां देनी हैं वो देते हैं। पहले भी एक दिन किसी गांव में धक्का मुक्की हुई थी। कल एक महिला के साथ उन्होंने धक्का मुक्की की है। भाजपा में अगर ऐसे शिक्षा मंत्री हैं तो मैं समझता हूँ कि अब शिक्षा का क्या हाल होगा, हमारे बच्चों का क्या हाल होगा, ये देखने वाली बात है। मैने दोनों बयानों को मेरे

वकील को दिया है। अगर आवश्यकता पड़ी तो हम इनके खिलाफ़ कोर्ट के अंदर अवमानना का केस भी करेंगे और इनको चैलेंज करते हैं कि जो अपराधी है उनको पकड़ो। लेकिन ये क्या? मदन दिलावर जी क्या एसओजी के हेड है। डीजीपी है। क्या ग्रह मंत्री है? क्या देश के प्रधानमंत्री है? ये कैसे ऐसे बकवास कर रहे हैं? ये बकवास है। शिक्षा मंत्री हो तो शिक्षा का विजन बताएं। शिक्षा का कोई विज़न नहीं है, वो जेल जाएगा। महिला के धक्का दे दो, किसी को पैर तोड़ने की नसीहत दे दो। माता को हाथ जोड़ करके किसी को कुछ कह दो। जो नरेंद्र मोदी को वोट नहीं देगा वो राम का हत्यारा होगा। इस तरीके का बयान देना मैं समझता हूँ की शायद मानसिक संतुलन वो खो चूके है। और उनसे विभाग तो समझ ही नहीं रहा है। बाकी ऐसे जनप्रतिनिधि अगर भारतीय जनता पार्टी में मंत्री बने हुए है और शिक्षा जैसा महकमा है, ये हमारे प्रदेश के लिए शर्म की बात है। हमारा सब का सर झुक रहा है।

बांसवाड़ा में अंतिम समय पर प्रत्याशी घोषणा के सवाल पर कहा कि इंडिया अलायन्स में उनका आना तीन चार स्टेट की प्रॉब्लम थी तो हम देख रहे थे की वो शुरू हो जाएगी, लेकिन वो तीन चार स्टेट का मामला था तो जो हमारी अलायन्स कमिटी थी उसमें सहमति नहीं बन पाई, इसलिए हमने अंतिम समय में वहाँ पर प्रत्याशी उतारा है। मैं समझता हूँ कि हम सबका उद्देश्य है कि हम कैसे भारतीय जनता पार्टी को हराएं। इस तानाशाह सरकार जो ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई का दुरुपयोग करके एक जो तानाशाही से देश को चला रही है, विपक्षी पार्टियों को क्रैश कर रही है, इलेक्ट्रॉल बॉन्ड से घोटाले कर रही है, चोरी और सीना चोरी कर रही है। मैं समझता हूँ कि इन सब चीजों को देखते हुए हम लोग आगे बढ़ रहे हैं। डोटासरा ने कहा कि हमारा घोषणा पत्र कल लॉन्च हो रहा है और कल माननीय सोनिया गाँधी, खड़गे और प्रियंका गाँधी जी भी आ रही है। वो सब लोग आएँगे और हम बड़ी विशाल जनसभा करेंगे और उसमें हमारे घोषणा पत्र के बारे में खड़गे, सोनिया और प्रियंका बताएंगे तो मैं समझता हूँ कार्यकर्ताओं में बहुत उत्साह है और अब की बार जो हमारा घोषणा पत्र है और हमारी जो गारंटी है। आ रही है वो 101 प्रतिशत हमारी इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पे वो लागू होंगी। जनता को फायदा मिलेगा। ये केवल थोथी गारंटी की बात करते हैं, मन की बात करते हैं, काम की बात नहीं करते हैं। देश में अघोषित आपात्काल इन्होंने लगा रखा है। जो कोई भी अगर बीजेपी के खिलाफ़ बोलता है, चाहे वो पत्रकार हो, चाहे वो नेताओं चाहे वो अक्टिविस्ट हो, बुद्धिजीवी हो, उसको अंदर डाल दो, उसकी आवाज को चुप करा दो। मैं समझता हूँ कि सोशल मीडिया के लिए भी इन्होंने बैन लगा कर के एक कमेटी बैठा दी थी। सरकार की वो कहेगी वो कंटेंट पास करेगी, वो ही चलेगा।

श्रद्धांजलि

चित्तौड़गढ़ में शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी जौहर स्मृति संस्थान द्वारा वीरांगनाओं की स्मृति में आयोजित 'जौहर श्रद्धांजलि समारोह' में सम्मिलित होकर सर्व समाज की वीरांगनाओं के बलिदान को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

साइबर क्राइम के प्रति जन जागरूकता के लिए चलाएंगे साझा अभियान

जयपुर। राजस्थान पुलिस प्रदेश में साइबर अपराधों की रोकथाम और साइबर क्राइम के नये-नये तरीकों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए सीबीएस साइबर फाउंडेशन के साथ मिलकर कार्य करेगी। इस दिशा में शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में महानिदेशक, साइबर अपराध, एससीआरबी एवं तकनीकी सेवाएं रवि प्रकाश मेहरड़ा की मौजूदगी में राजस्थान पुलिस और फाऊंडेशन के बीच एमओयू हुआ। राजस्थान पुलिस की ओर से महानिरीक्षक, एससीआरबी शरत कविराज तथा सीबीएस साइबर फाउंडेशन की तरफ से फाउंडर और सीईओ डॉ. सीबी शर्मा (रिटायर्ड आईपीएस) ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

एमओयू के तहत दोनों पक्ष मिलकर कम्प्यूटर तकनीकी के सुरक्षित उपयोग के लिए नागरिकों को सजग और सतर्क बनाने के लिए साइबर अवेयरनेस कैम्पेन चलाएंगे। इसमें कम्प्यूटर्स, मोबाईल, सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स, ई-कॉमर्स एप्लीकेशन, ऑनलाइन बैंकिंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) एवं मशीन लर्निंग टेक्नोलॉजी के सुरक्षित उपयोग के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी।

सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों का राम नाम सत्य करवा देते हैं हम : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागपत/अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि हम सिर्फ राम को ही नहीं लाए हैं बल्कि सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों का 'राम नाम सत्य' भी करवा देते हैं।

योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बागपत में भाजपा समर्थित राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) एवं अलीगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने अलीगढ़ की सभा में कहा, हम सिर्फ राम को ही नहीं लाए हैं, बल्कि बेटी और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए खतरा बनने वाले का राम नाम सत्य भी करवा देते हैं।

योगी ने इसके पहले बागपत में भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक दल राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रत्याशी डॉ राजकुमार सांगवान के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए वीरों एवं स्वतंत्रता सेनानियों की धरती बागपत को नमन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वही भूमि है, जहां से अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध महाभारत की नींव पड़ी थी, करीब पांच हजार

साल पहले भगवान श्रीकृष्ण ने हस्तिनापुर के राजदरबार में जाकर पांडवों के लिए जिन पांच गांव की मांग की थी, उनमें से एक बागपत भी था। मगर 'दुर्योधन वह भी दे न सका, आशीष समाज की ले न सका..., इसलिए महाभारत तो होना ही था।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें भारत माता के महान सपूत और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पावन धरा पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि इस बार हमारे लिए यह चुनाव और भी महत्व का हो जाता है। पहली बार किसानों के मसीहा के रूप में चौधरी चरण सिंह को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्राप्त हुआ है। यह न केवल कोटि-कोटि अन्नदाताओं का सम्मान है, बल्कि प्रदेश के लोगों का गौरव भी है। योगी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी का आभार, जिन्होंने चौधरी साहब के मूल्यों और आदर्शों को ध्यान में रखा और अन्नदाताओं के मुद्दों को राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बनाया और किसान के हित में कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बागपत में 26 अप्रैल को चुनाव होना है। भारतीय जनता पार्टी और रालोद ने मिलकर बागपत के लिए एक योग्य प्रत्याशी दिया है। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी को इसके लिए विशेष धन्यवाद, जिन्होंने एक सामान्य व्यक्ति को बागपत से टिकट दिया है। डॉ राजकुमार सांगवान ने चौधरी चरण सिंह के जीवन मूल्यों को अपनाया है।

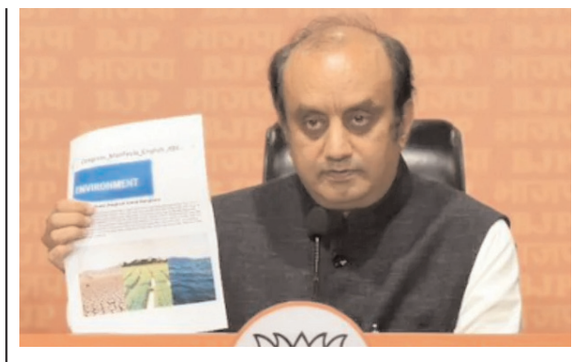

कांग्रेस का घोषणापत्र 'झूठ का पुलिंदा' : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के लिए जारी किए गए कांग्रेस के घोषणापत्र को 'झूठ का पुलिंदा' करार दिया और आरोप लगाया कि देश में दशकों तक शासन करने वाली इस पार्टी ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा करने व उन्हें गुमराह करने के लिए कांग्रेस इस तरह का चुनावी घोषणापत्र लेकर आई है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस का घोषणापत्र झूठ का पुलिंदा है। इसे मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा करने के लिए तैयार किया गया है।

त्रिवेदी ने कहा कि दशकों तक देश में शासन करने वाली कांग्रेस आज 'न्याय' की बात कर रही है, लेकिन उसकी सरकारों ने सत्ता में रहते हुए न्याय नहीं किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र का नाम रखा है 'न्याय पत्र'। मतलब इन्होंने मान लिया है कि 55 साल इन्होंने अन्याय किया है। कोई नई नवेली पार्टी आम आदमी पार्टी (आप) जैसी होती और वह कहती तो समझा जा सकता था।

भाजपा नेता ने कहा कि यह विडंबना है कि इतने दिनों तक सत्ता में रहने के बाद कांग्रेस इस वादे के साथ लोगों से जनादेश मांग रही है कि इस बार सत्ता में आने पर वह कोई 'चमत्कार' करेगी। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस ने विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए अपने पहले के घोषणा-पत्रों में किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया।

नेताजी को स्वतंत्र भारत का पहला प्रधानमंत्री बताने वाली कंगना की टिप्पणी का हिमंत ने बचाव किया

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को अभिनेत्री से नेता बनीं और मंडी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रत्याशी कंगना रनौत की उस टिप्पणी का बचाव किया कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस देश के पहले प्रधानमंत्री थे। शर्मा ने कहा कि नेताजी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्री बनने से चार साल पहले आजाद हिंद सरकार बनायी थी जिसे नौ देशों ने मान्यता दी थी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जो लोग कंगना का मजाक उड़ा रहे हैं - सत्ता हस्तांतरण के बाद प्रधानमंत्री के रूप में पंडित नेहरू के शपथ लेने के करीब चार साल पहले 21 अक्टूबर 1943 को नेताजी ने आजाद हिंद सरकार बनायी थी, जिसके वह प्रमुख थे। उन्होंने कहा, नौ देशों ने आजाद हिंद सरकार को भारत की वैध सरकार के तौर पर मान्यता दी थी। उपनिवेशवादियों की तर्ज पर इतिहास की व्याख्या करने की इस अवचेतन इच्छा को 'गुलामी की मानसिकता' कहा जाता है।

बड़े पैमाने पर जलवायु संबंधी घटनाएं मानसून के लिए अनुकूल : महापात्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश के बड़े हिस्से में गर्मी पड़नी शुरू हो गई है और मौसम वैज्ञानिकों ने इस साल कम होती अल नीनो स्थितियों और यूरेशिया में कम बर्फबारी के कारण अनुकूल मानसूनी मौसम के शुरुआती संकेत देखे हैं। साक्षात्कार में भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि बड़े पैमाने पर जलवायु संबंधी घटनाएं दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए अनुकूल हैं, जो बड़े पैमाने पर वर्षा पर निर्भर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

महापात्र ने कहा, इस वर्ष अल नीनो फीका पड़ रहा है। जून की शुरुआत तक यह तटस्थ स्थिति बन सकती है। उन्होंने यह बात मध्य प्रशांत महासागर के गर्म होने का जिक्र करते हुए कही, जिसे दक्षिण पश्चिम मानसून को प्रभावित करने वाले कारकों में से एक माना जाता है। उन्होंने कहा कि जुलाई-सितंबर मानसून मौसम की दूसरी छमाही में ला नीना की स्थिति देखी जा सकती है, जो मध्य प्रशांत महासागर के ठंडा होने को संदर्भित करती है। महापात्र ने कहा, ला नीना भारतीय मानसून के लिए अच्छा है। और तटस्थ स्थितियां अच्छी हैं। हालांकि, अल नीनो अच्छा नहीं है। 60 प्रतिशत मामलों में अल नीनो का भारतीय मानसून पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है, लेकिन पिछले वर्ष इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा। उन्होंने कहा, इस साल भी बर्फ का आवरण कम है। यह एक और सकारात्मक कारक है। इसलिए बड़े पैमाने पर प्रक्रियाएं मानसून के लिए अनुकूल हैं। दक्षिण-पश्चिम मानसून से भारत की लगभग 70% वार्षिक वर्षा होती है, जो कृषि क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। कृषि क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 14% है और इसकी 1.4 अरब आबादी में से आधे से अधिक को रोजगार देता है।

संदेशखालि की महिलाओं पर अत्याचार संबंधी टिप्पणी के लिए ममता ने मोदी पर साधा निशाना

जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और भ्रष्टाचार के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को उन पर निशाना साधते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और उनकी सरकार ने संदेशखालि में महिलाओं के कथित यौन शोषण में शामिल दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। बनर्जी ने जलपाईगुड़ी में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि टीएमसी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। उन्होंने सवाल किया कि धन के उपयोग की निगरानी के लिए केंद्र द्वारा 300 से अधिक केंद्रीय दल भेजे जाने के बावजूद केंद्रीय धन क्यों रोक दिया गया है। उन्होंने कहा, जब भी भ्रष्टाचार का कोई आरोप लगा है, हमने कार्रवाई की है और उस व्यक्ति को पार्टी से निकाल दिया है। लेकिन भाजपा का क्या? उन्होंने सभी भ्रष्ट लोगों और अपराधियों को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया है।

संदेशखालि में हाल की घटनाओं का जिक्र करते हुए, जहां टीएमसी नेताओं के खिलाफ यौन शोषण के आरोप सामने आए थे, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कूचबिहार में एक रैली में पीड़ितों के प्रति कथित उदासीनता के लिए राज्य सरकार की आलोचना की थी।

शिवपाल ने वोट नहीं देने पर हिसाब करने की बात कही, वीडियो वायरल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बदायूं/भाषा। उत्तर प्रदेश के बदायूं से समाजवादी पार्टी (सपा) उम्मीदवार शिवपाल यादव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है ''हम सबसे वोट मांगेंगे, वोट दोगे तो ठीक नहीं तो बाद में हिसाब होगा'' हालांकि सपा नेता ने इसे आधा-अधूरा बताया है। वायरल हुए शिवपाल यादव के वीडियो में सपा के वरिष्ठ नेता के साथ मंच पर सहसवान से सपा विधायक ब्रजेश यादव और शिवपाल के बेटे भी नजर आ रहे हैं।

वीडियो में यह स्पष्ट नहीं है कि शिवपाल ने यह टिप्पणी कहां की है। उन्होंने यह टिप्पणी कब की, यह भी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, शिवपाल यादव के साथ मंच साझा करते नजर आ रहे सपा विधायक ब्रजेश यादव ने कहा, वीडियो को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। यह वीडियो 15 मार्च का है और यह तब का है जब शिवपाल यादव गुन्नौर की ओर जा रहे थे। उन्होंने यह बयान बदायूं के बिल्सी विधानसभा क्षेत्र में दिया। बाद में एक निजी समाचार चैनल से बातचीत में शिवपाल यादव ने कहा, देखिये वो जो वीडियो है, 20-25 सेकंड का दिखाया जा रहा है, जबकि उसमें कहा, पीछे भी भाषण में कहा वो कुछ दिखाया नहीं जा रहा है। यादव ने कहा, ..उसमें मैंने जो बातें कही हैं...मैंने तो केवल ये कहा था कि सपा से चुनाव लड़कर जीते हैं विधायक बने, वो लोग दूसरे दल में जाकर वोट किया। उनके लिए हमने कहा था कि आगे आने वाले चुनाव में जनता उनसे हिसाब-किताब करेगी।

संसद में सीएए का समर्थन किया, क्योंकि मेघालय को इससे छूट थी : अगाथा संगमा

शिलांग/भाषा। निवर्तमान सांसद और तुरा सीट से नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की उम्मीदवार अगाथा के. संगमा ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने संसद में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का समर्थन किया क्योंकि मेघालय को इसके प्रावधानों में छूट दी गई थी। अपने रुख के लिए विपक्षी दलों की आलोचना का सामना करने के बावजूद अगाथा ने इस बात पर जोर दिया कि अगर इसमें गारो हिल्स को शामिल किया जाता तो वह विधेयक का समर्थन नहीं करतीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि चूंकि सीएए मेघालय में लागू नहीं होता है, इसलिए चिंता का कोई कारण नहीं है।

तुरा सीट से मौजूदा सांसद ने बताया कि जब 2019 में नागरिकता संशोधन विधेयक संसद में पेश किया गया था, तो तत्कालीन सांसद कोनराड के. संगमा (मौजूदा मुख्यमंत्री) के साथ-साथ अन्य सांसदों की वकालत के कारण मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को छूट दी गई थी।

महागठबंधन में लौटे मुकेश सहनी, राजद ने किया तीन लोकसभा सीट देने का वादा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी शुक्रवार को राज्य में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत महागठबंधन में शामिल हो गए। लगभग तीन साल पहले वह महागठबंधन छोड़कर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गए थे। राजद नेता तेजस्वी यादव और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख सहनी ने एक संवाददाता सम्मेलन में वीआईपी के महागठबंधन में शामिल होने की घोषणा की। यादव ने कहा, बिहार में 'इंडि' गठबंधन में सीट बंटवारे की घोषणा पहले ही हो चुकी है। राजद को 26 सीट मिली हैं। हम सहनी की पार्टी को अपने हिस्से में से तीन सीट देंगे।

उल्लेखनीय है कि वीआईपी ने 2019 का लोकसभा चुनाव महागठबंधन सहयोगी के रूप में लड़ा था, लेकिन एक साल बाद राज्य विधानसभा चुनावों से पहले सहनी महागठबंधन छोड़कर राजग में शामिल हो गए थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नई सरकार में, सहनी संभवतः भाजपा के कहने पर मंत्री बने और उसने (भाजपा ने) उन्हें विधान परिषद का सदस्य चुने जाने में भी मदद की। सहनी विधानसभा चुनाव हार गए थे।

खुद को 'मल्लाह का बेटा' कहने वाले सहनी को उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी के प्रचार के दौरान भाजपा के लिए परेशानियां खड़ी करने के चलते कैबिनेट से निष्कासित कर दिया गया था। इसके बाद वीआईपी के सभी चार विधायक भी भाजपा में शामिल हो गए थे। कैबिनेट से निष्कासन के बाद विधान परिषद का कार्यकाल भी समाप्त हो गया था और इसके बाद सहनी का मुश्किल दौर शुरू हो गया।

मेरे साथ ली गईं 'सेल्फी' की संख्या अगर वोटों में तब्दील हुई, तो भाजपा हार जाएगी : गौरव गोगोई

माजुली (असम)/भाषा। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने जोरहाट लोकसभा सीट से जीत हासिल करने का विश्वास जताते हुए कहा कि लोगों ने उनके साथ जितनी संख्या में तस्वीरें ली हैं, अगर वे वोटों में बदल जाती है तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद टोपोन कुमार गोगोई निश्चित रूप से हार जाएंगे। कालियाबोर से कांग्रेस सांसद गोगोई इस बार जोरहाट से लड़ रहे हैं।

उन्होंने ब्रह्मपुत्र के मध्य में स्थित दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली में दो दिन बिताए और जिले में 12 नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। माजुली पहले लखीमपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा था, लेकिन पिछले साल चुनाव आयोग द्वारा किए गए परिसीमन में इसे जोरहाट में जोड़ा गया था।

जोरहाट कभी गौरव के पिता व पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत तरुण गोगोई का निर्वाचन क्षेत्र था, यहां के लोगों ने 2014 में अपना मन बदला, जिसके चलते कांग्रेस की हार हुई। यहां अहोम, थेंगल-कचारी, मिसिंग और चाय के काम से जुड़ी जनजातियों की काफी आबादी है।

'जल, जंगल, जमीन की लूट को नजरअंदाज करने पर चंपई सोरेन भी जेल जा सकते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेदिनीनगर (झारखंड)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को आगाह किया कि अगर वह अपने पूर्ववर्ती हेमंत सोरेन की तरह राज्य के ''जल, जंगल, जमीन'' की लूट को नजरअंदाज करते हैं तो उन्हें भी जेल जाना पड़ सकता है।

मरांडी ने आरोप लगाया कि हेमंत ने घोटाले किए थे जिसके कारण प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें गिरफ्तार किया। उन्होंने यहां भाजपा के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की बैठक में कहा, हेमंत घोटालों के राजा हैं और इसलिए ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया तथा उन्हें जेल भेजा गया। मरांडी ने कहा, जैसे ही ईडी ने परत दर परत घोटाले की जांच की तो खुलासों से पता चला कि हेमंत सोरेन झारखंड में लूट में प्रत्यक्ष तौर पर शामिल थे।

आबकारी नीति मामले में संजय सिंह ने न बोलने की जमानत संबंधी शर्त का उल्लंघन किया : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह पर दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले के बारे में नहीं बोलने की जमानत संबंधी शर्त के उल्लंघन का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने जो किया है, उसके गंभीर परिणाम होंगे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सिंह के वकील ने उच्चतम न्यायालय में कहा है कि वह मामले के बारे में नहीं बोलेंगे, लेकिन वह मीडिया से बातचीत में मामले का जिक्र करते रहे हैं और दावा करते रहे हैं कि कोई घोटाला नहीं हुआ है। भाटिया ने कहा कि आप सांसद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित अन्य आरोपियों को भी क्लीन चिट दे रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि सिंह लोगों को गुमराह करने के लिए तथ्यात्मक रूप से गलत बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने सिंह पर शीर्ष अदालत की अवमानना का आरोप लगाते हुए कहा, इसके परिणाम होंगे और वे बहुत गंभीर होंगे।

मणिपुर में अशांति के बीच लोकसभा चुनाव कराने की जरूरत पर महिला व्यापारियों ने उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इम्फाल/भाषा। मणिपुर में जातीय संघर्ष का प्रभाव राज्य के ऐतिहासिक 'इमा बाजार' पर भी पड़ा है, जहां की महिला कारोबारियों में लोकसभा चुनाव के प्रति उत्साह की कमी साफ नजर आ रही है। यह विश्व में पूरी तरह से महिलाओं द्वारा संचालित एकमात्र बाजार है।

राज्य में जारी उथल-पुथल के बीच चुनावी प्रक्रिया की प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हुए, विभिन्न बाजार संघों की महिला व्यापारी अपनी एक प्रमुख शिकायत के साथ

चुनाव का बहिष्कार करने पर विचार कर रही हैं। उनकी शिकायत है कि ''देश मणिपुर को भूल गया।

इस बाजार में एक दशक से अधिक समय से मछली की दुकान संचालित कर रही 52 वर्षीय नीमा देवी ने पीटीआई-भाषा से कहा हिंसा के 11 महीने बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ है और शांति बहाल नहीं हुई है। लोग लगातार भय में जी रहे हैं। उन्होंने कहा ''चुनाव से क्या बदलेगा? देश, सरकार, हर कोई मणिपुर को भूल गया। वहीं, फल और सब्जी विक्रेता देबजानी ने कहा, चुनाव नहीं चाहिए। करीब पांच सौ साल पुराना 'इमा कीथेल' बाजार काफी लोकप्रिय है। बाजार तीन बहुमंजिला इमारतों में फैला हुआ है जहां 4,500 से अधिक दुकानें हैं। बाजार के इस अनूठे पहलू की अनदेखी नहीं की जा सकती कि हरेक व्यापारी महिला है।

यह मशहूर बाजार इस साल गणतंत्र दिवस समारोह में राज्य की झांकी का 'थीम' भी था। तीसरी पीढ़ी की बर्तन व्यापारी प्रिया खरैबम ने पूछा, अगर सब कुछ वैसे ही चलना है जैसे चल रहा है, तो हमें चुनावों की आवश्यकता क्यों है? इससे क्या बदल जाएगा? बाजार में व्यापारियों के एक समूह, जिसे मणिपुर कीथेल फांबी अपुनबा लूप कहा जाता है, ने जनता के कल्याण के प्रति सरकारी उपेक्षा का हवाला देते हुए चुनाव-संबंधी गतिविधियों में शामिल होने से दूर रहने का विकल्प चुना है। व्यापारियों के संगठन की महासचिव युमनाम इबेयिमा ने कहा चुनाव कराने के फैसले से पता चलता है कि सरकार को जानमाल की कोई चिंता नहीं है। राज्य के लोग पिछले 11 महीनों से दो समुदायों के बीच संघर्ष से उत्पन्न हिंसा को झेल रहे हैं। हिंसा के कारण हमें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में पिछले साल तीन मई को मेइती और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच झड़पें शुरू होने के बाद से 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है जबकि हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

सूर्यकुमार यादव के फिट होने से मुंबई इंडियंस ने ली राहत की सांस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में संघर्ष कर रही मुंबई इंडियंस ने शुक्रवार को टीम के अभ्यास सत्र में दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के शामिल होने से राहत की सांस ली।

लंबे समय तक चोट के कारण खेल से दूर रहने वाले सूर्यकुमार ने नेट सत्र में अभ्यास करके साथ बिना किसी परेशानी के बड़े शॉट लगाए। इससे यह उम्मीद जगी कि वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टीम के आगामी मैच में मैदान में उतर सकते हैं। पांच बार की चैम्पियन मुंबई की टीम ने इस सत्र में नए कप्तान हार्दिक पंड्या की अगुवाई में अपने शुरुआती तीनों मैच हारकर बेहद निराशाजनक शुरू की है। यह 33 साल का आक्रामक बल्लेबाज जनवरी से ही खेल से दूर है। उन्हें स्पोर्ट्स हर्निया से उबरने के लिए सर्जरी का सहारा लेना पड़ा। वह टखने की चोट से भी जूझ रहे थे जो उन्हें पिछले साल के अंत में भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान लगी थी।

सूर्यकुमार वानखेड़े स्टेडियम में अभ्यास सत्र के लिए पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी थे। वह दोपहर के सत्र में टीम के अन्य खिलाड़ियों से एक घंटे से अधिक समय पहले पहुंचे थे। उन्होंने नेट सत्र में एक घंटे से अधिक तक बल्लेबाजी अभ्यास की। कुछ दिन पहले उन्हें राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल होने की मंजूरी दे दी थी।

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने थ्रोडाउन विशेषज्ञों और स्पिनर कुमार कार्तिकेय के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए मैदान के सभी हिस्सों में स्ट्रोक लगाए। उन्होंने गेंद को बिल्कुल वैसे ही मारा जैसा वह चाहते थे।

मौजूदा टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार के बाद टीम छोटे ब्रेक के लिए जामनगर गई थी।

सुविचार

तलाश जिंदगी की थी, दूर तक निकल पड़े, जिंदगी मिली नही, तजुर्बे बहुत मिले।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तथ्यों से परे

एक ब्रिटिश अखबार द्वारा अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया जाना कि 'हाल में पाकिस्तान में आतंकवादियों की हत्याओं का जो सिलसिला देखने को मिला, उसके पीछे भारत का हाथ है', तथ्यों से परे है। ऐसा प्रतीत होता है कि जिन लोगों ने यह रिपोर्ट लिखी, वे न तो भारतीय सैन्य परंपराओं से परिचित हैं और न ही भारतीय खुफिया एजेंसियों की कार्यप्रणाली के संबंध में कोई जानकारी रखते हैं। अगर भारत, पाकिस्तान में रहने वाले आतंकवादियों के खिलाफ कोई कदम उठाता है, तो डंके की चोट पर उसकी घोषणा करता है। भारत ने साल 2019 में बालाकोट में एयरस्ट्राइक की, तो बाद में उसकी जानकारी दुनिया को दी। साल 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक की, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी लेते हुए प्रेसवार्ता की। भारत साल 1999 के कारगिल युद्ध और साल 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में शामिल हुआ तो उनमें अपनी भूमिका को पूरी तरह स्वीकारा। पाकिस्तान में जिन लोगों को कथित तौर पर मार गिराने का दावा किया गया है, उससे एक बात पर तो मुहर लग जाती है कि यह पड़ोसी देश आतंकवादियों का गढ़ है। वे लोग, वह भी इतनी बड़ी तादाद में पाकिस्तान में क्या कर रहे थे? उनका पेशा क्या था? क्या वे कोई आम आदमी थे? उनका पूरा रिकॉर्ड सामने है। वे आतंकवाद के पैरोकार थे। भारत लंबे अरसे से पाकिस्तान को चिट्ठियां भेजकर मांग करता रहा है कि उन पर मुकदमा चलाया जाए, उन्हें सज़ा दी जाए। इसके बावजूद वे पाकिस्तान में आजाद घूम रहे थे। अगर भारत को ऐसे तत्त्वों को खुफिया तौर पर 'सज़ा' देनी होती तो बहुत पहले दे देता। भारत ने बड़े-बड़े सैन्य अभियानों में अपनी ताकत का लोहा मनवाया है। क्या पाकिस्तान में ऐसे आतंकवादियों का खात्मा करना उसके लिए मुश्किल था?

ये आतंकवादी इतने वर्षों तक ज़िंदा रहे और कई आतंकवादी तो अब भी ज़िंदा है, यह इस बात का सबूत है कि भारतीय एजेंसियां विदेशों में ऐसी कार्रवाइयां नहीं करतीं, जैसा कि आरोप लगाया जा रहा है। जो आतंकवादी वहां मारे जा रहे हैं, उनका अपने कर्मफल के कारण यह अंजाम हो रहा है। उन्होंने आतंक का सबक सीखकर भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश तो की ही, वे पाकिस्तान में भी धौंस जमाने से बाज़ नहीं आते। आतंकवादी संगठनों में गुटबाजी हावी है। बहुत बार ऐसा होता है, जब एक ही संगठन के लोग बाद में अलग-अलग संगठनों में चले जाते हैं। वे विचारधारा के नाम पर आपस में ही खून-खराबा करते रहते हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान, दोनों देशों में ऐसा देखने को मिलता है। आपसी प्रतिद्वंद्विता, चंदे की कमाई, अपनी दहशत फैलाने, खुद को ज्यादा कट्टर और खूंखार दिखाने के लिए आतंकवादी संगठन आपस में ही लड़ते-भिड़ते रहते हैं। पाकिस्तान का विदेश कार्यालय जिन 'गैर-न्यायिक' हत्याओं के नेटवर्क की बात कह रहा है, उसे सबसे पहले तो इस बात का जवाब देना चाहिए कि जो लोग ऐसे हमलों में मारे गए, वे कौन थे? क्या पाकिस्तान यह बताने का कष्ट करेगा कि इनके हाथ कितने मासूम लोगों के खून से रंगे हुए थे? स्पष्ट है कि इस बात का वह जवाब नहीं देगा, क्योंकि इससे खुद ही फंस जाएगा। अगर भारत ने ऐसी कार्रवाई करने की ठान ली होती तो आज पाकिस्तान में आतंकवादियों के आका यूं खुलेआम दनदना रहे नहीं होते। वे या तो परलोक पहुंच चुके होते या किसी कोठरी में भीगी बिल्ली बनकर छुपे बैठे होते। उक्त रिपोर्ट में धन के लेन-देन के लिए दुबई का जिक्र किया गया है, लेकिन जिन दस्तावेजों की बात की जा रही है, वे तो कंप्यूटर की मदद से कोई भी बना सकता है। एआई के दौर में ऐसे फर्जी सबूत गढ़ना चुटकियों का काम है। पाकिस्तान अतीत में ऐसे 'सबूत' गढ़ता रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में नहीं टिके थे। पाक से उसकी आम जनता का भरोसा उठ चुका है। अगर उसके पाले हुए आतंकवादी इसी तरह मारे जाते रहे तो उनका भरोसा भी जल्द उठ जाएगा!

ट्वीटर टॉक

इससे पहले मैं 26 फरवरी, 2019 में चुरू आया था, तो उसी समय देश ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक की थी। हमने आतंकियों को सबक सिखाया था। तब मैंने चुरू की धरती पर जो शब्द कहे थे, वो मैं आज फिर दोहराता हूं।

-नरेन्द्र मोदी

न्याय की गारंटी देने वाले कांग्रेस के घोषणापत्र न्याय पत्र को लॉन्च करने के लिए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी एवं कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे कल जयपुर पधार रहे हैं। जयपुर के विद्याधरनगर मैदान में पहुंचकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएं।

-अशोक गहलोत

सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर महान स्वतंत्रता सेनानी बाबू जगजीवन राम जी की जयंती पर भावपूर्ण नमन। वंचितों एवं पीड़ितों के उत्थान व सशक्तिकरण के लिए जीवन समर्पित करने वाले जगजीवन राम जी के आदर्श व समाज कल्याण के लिए किए गए।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

समरसता की राष्ट्रभक्ति

फिरंगी शासन के विरुद्ध स्वामी श्रद्धानंद ने देशभक्तों का नेतृत्व किया। इस आंदोलन में पुलिस व फौज की गोलियों ने जिन देशभक्तों को शहीद व घायल किया, उनमें हिंदू भी थे और मुस्लिम भी। इसके बाद हिंदू-मुस्लिम का भेद मिटाकर शहीदों की अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें स्वामी श्रद्धानंद और हकीम अजमल खां भी शामिल थे। दोपहर के बाद जामा मस्जिद में नमाज के बाद मुस्लिमों का जलसा हो रहा था। उसके बाद मुस्लिम नेताओं ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद की तकरीर भी होनी चाहिए। कालांतर में जनसमूह ने इसका समर्थन किया। दो-तीन जोशीले मुस्लिम युवा नये बाजार से स्वामी जी को ले आए। अल्लाह हो अकबर के नारों के बीच स्वामी जी मस्जिद की प्राचीर पर आरूढ़ हुए। स्वामी जी ने ऋग्वेद के एक मंत्र के साथ अपना व्याख्यान आरंभ किया और ओम शांति-शांति के साथ समाप्त किया। यह जामा मस्जिद के इतिहास में पहली घटना थी कि वेद मंत्रों से वातावरण गुंजायमान हुआ।

सामयिक

विशाल वटवृक्ष का आकार लेती भाजपा

हर्षवर्धन पाण्डे

6 अप्रैल 1980। यही वो तारीख थी जब दिल्ली के फिरोज़शाह कोटला मैदान में जनसंघ के नेताओं ने एक नई पार्टी का गतह्न किया जिसका नाम भारतीय जनता पार्टी रखा गया और उस दौर को याद करें तो जनता पार्टी सरकार में विदेश मंत्री रहे वरिष्ठ नेता अटल बिहारी वाजपेयी को भाजपा के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की कमान सौंपी गई । अटल बिहारी अपने ओजस्वी भाषणों की कला के लिए मशहूर रहे। उस दौर में उन्होनें कहा था कि 'भाजपा का अध्यक्ष पद कोई अलंकार की वस्तु नहीं है। ये पद नहीं दायित्व है। प्रतिष्ठा नहीं एक परीक्षा है। ये सम्मान नहीं एक चुनौती है। मुझे भरोसा है कि आपके सहयोग से देश की जनता के समर्थन से मैं इस जिम्मेदारी को ठीक तरह से निभा सकूंगा।' अंत में वाजपेयी बोले भारत के पश्चिमी घाट को मंडित करने वाले महासागर के किनारे खड़े होकर मैं यह भविष्यवाणी करने का साहस करता हूं कि अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा।'

किसे पता था अटल बिहारी की कही गई ये बातें आज की भाजपा के सम्बन्ध में सटीक साबित होंग । अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं के अथक परिश्रम और संगठन के बूते आज भाजपा सत्ता की बुलंदियां छू रही है। शुरुआत में पार्टी खुद को जनसंघ और आरएसएस से अलग दिखाने का प्रयास करती रही। इसके पीछे सोच यह थी संघ की विचारधारा से सहमत नहीं होने वाले लोग भी पार्टी से जुड़ें। इसमें समाज के उस तबके को ध्यान में रखा गया जो दक्षिणपंथी विचारधारा की तरफ झुकाव रखता था और कांग्रेस से खुश नहीं था। भाजपा ने अपनी स्थापना के समय पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और समाजवाद को अपना मार्गदर्शक सिद्धान्त घोषित किया। अप्रैल में कोटला में स्थापना से लेकर उस साल दिसम्बर में मुम्बई अधिवेशन तक पार्टी ने राज्यों में अपनी इकाइयां स्थापित कर लीं। तब मुम्बई के इस ऐतिहासिक अधिवेशन में वाजपेयी ने कहा कि भाजपा 'पार्टी विद ए डिफरेंस' यानी एक अलग तरह की पार्टी होगी।

भाजपा ने अपना पहला लोकसभा चुनाव साल 1984 में लड़ा। उस वक़्त देश में इंदिरा गांधी की हत्या के प्रति शोक की लहर थी। कांग्रेस ने तुरंत चुनाव कराने का फैसला लिया । उस दौर में इंदिरा के पुत्र राजीव गांधी रिकॉर्ड सीटों के साथ देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने। चुनाव में हर राज्य में कांग्रेस की प्रचंड आंधी चली और सहानभूति की लहर में सवार होकर कांग्रेस के 404 के आंकड़े को छू गई । तब भाजपा केवल 2 सीटें ही जीत पाई। कांग्रेस की लहर में भी भाजपा को जीत दिलाने वाले डॉ. एके पटेल और चंदूपतला जंग रेड्डी थे। पटेल गुजरात की मेहसाणा सीट से जीते थे, जबकि चंदूपतला रेड्डी आंध्र प्रदेश की हनमकोंडा सीट से सांसद बने थे। डॉ. एके पटेल एमबीबीएस डॉक्टर थे जिन्होंने राजनीति में कदम रखा था। वह गुजरात के बड़े डॉक्टरों में शुमार थे। 19%5 से लेकर 1984 तक वह गुजरात विधानसभा के सदस्य रहे। 19%% में उन्हें गुजरात भारतीय जनसंघ का अध्यक्ष बनाया गया। 1984 में वह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए। कांग्रेस की आंधी के बीच भी 1984 में पहली बार मेहसाणा से लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने। इसके बाद लगातार पांच बार सांसद रहे। चंदूपातला जंगा रेड्डी आंध्र प्रदेश के वारंगल जिले के एक गांव के स्कूल में वह शिक्षक रहे। । 196% से 1984 तक वह लगातार तीन बार विधायक चुने गए। 1984 के आम चुनाव में उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा का उम्मीदवार बनाया और वह जीत गए। उन्होंने कांग्रेस के पीवी नरसिम्हा राव को हराया, जो बाद में देश के प्रधानमंत्री भी बने थे। रेड्डी दक्षिणी राज्यों से भाजपा के पहले सांसद थे। छात्र जीवन से ही सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे रेड्डी ने राम जन्मभूमि आंदोलन समेत कई आंदोलनों में हिस्सा लिया था। वह तेलंगाना सत्याग्रह आंदोलन में भी सक्रिय रहे थे।

1984 के चुनावों को इसलिए भी याद किया जाता है भाजपा के संस्थापक अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी भी ग्वालियर से चुनाव हार गए। तब प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इसका मजाक भी बनाया था। कहा था, 'हम दो, हमारे दो।' उनका ये कटाक्ष पार्टी अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी और भाजपा के दो सांसदों पर था। जनसंघ के उम्मीदवार के तौर पर 19%1 में उन्होंने ग्वालियर लोकसभा सीट जीती थी। हालांकि, कांग्रेस की आंधी में माधव राव सिंधिया से 1984 में वह चुनाव हार गए थे। सिंधिया राजघराने से आने वाले माधवराव को ग्वालियर से हराना उस दौर में टेढ़ी खीर था। माधव राव सिंधिया के ग्वालियर से चुनाव लड़ने की खबर तब अचानक आई थी। नामांकन के अंतिम दिन सिंधिया ने ग्वालियर लोकसभा सीट से नॉमिनेशन पेपर फाइल किए थे। कहा जाता है कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कहने पर सिंधिया ने ऐसा किया था। इसके पहले तक वाजपेयी का वहां से जीतना करीब-करीब तय माना जा रहा था। ग्वालियर की महारानी राजमाता विजय राजे सिंधिया वाजपेयी को समर्थन दे रही थीं। हालांकि, कांग्रेस ने राजमाता के बेटे माधव राव को अपने उम्मीदवार के तौर पर ग्वालियर के मैदान में उतार दिया। इसे देखते हुए वाजपेयी ने पड़ोस के भिंड से नामांकन पत्र जमा करने की कोशिश की थी। वह वहां कार से गए भी थे। हालांकि, तब तक नामांकन जमा करने का समय निकल गया था। माधव राव ने वाजपेयी को 1.65 लाख वोटों से हराया था। इसके बाद से पार्टी के भीतर वाजपेयी के खिलाफ स्वर उठने शुरू हो गए। उनके उदारवादी व्यक्तित्व पर सवाल उठने लगे। संघ को लगा की वाजपेयी के नेतृत्व में पार्टी कभी शीर्ष पर नहीं पहुंच पाएगी। काफ़ी सोचने-विचारने के बाद पार्टी ने एकात्म मानववाद को भाजपा के संविधान में शामिल कर लिया और गांधीवादी समाजवाद की विचारधारा को तिलांजलि दे दी।

इसके बाद आडवाणी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन चुके थे। आडवाणी के नेतृत्व में पार्टी ने हिन्दुत्व के रथ पर सवार होने का फैसला किया। पार्टी ने राष्ट्रवाद के एजेंडे को भी आगे बढ़ाया। तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष रहे मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। श्रीनगर के लाल चौक पर 26 जनवरी 1992 को तिरंगा फहराया गया। तब विश्व हिंदू परिषद के राम मंदिर आंदोलन को पार्टी ने खुलकर समर्थन दिया। आडवाणी ने राम रथ यात्रा निकाली। नतीजा ये रहा कि पार्टी की नई प्रखर हिन्दू राष्ट्रवाद की विचारधारा ने उसे वर्ष 1989 और फिर वर्ष 1991 के चुनाव में क्रमशः 85 और 120 सीटें दिलवाईं। अब तक आडवाणी संघ और संगठन दोनों के पसंदीदा बन चुके थे। केंद्र में विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार गिराने के बाद चुनाव हुए और आडवाणी लोकसभा में विपक्ष के नेता बने। तब तक भाजपा अपने सांसदों की बदौलत दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी थी। अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस ने पार्टी को हिंदुत्व के रथ पर सवार कर दिया। लाल कृष्ण आडवाणी को यह पता था कि अगर केंद्र में सरकार बनानी है तो सहयोगियों के बिना यह संभव नहीं है और पार्टी की हिंदुत्ववादी छवि के कारण सहयोगी उनके साथ आने से कतराते हैं। आडवाणी ने साल 1995 में मुम्बई में हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अटल बिहारी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया।

अटल जहाँ उदार थे वहीँ आडवाणी ने कट्टर हिंदुत्व की अपनी छवि से पार्टी को एकजुट करने की कोशिश की। इसके पीछे रणनीति यह थी कि अटल के उदारवादी होने का फायदा पार्टी को सहयोगी जुटाने में मिलेगा। भाजपा ने सहयोगियों के बल पर पहली बार सरकार बनाई और पहले 13 दिन, फिर 13 महीने और फिर पांच साल अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार चलाई। तब पार्टी ने अपने कोर एजेंडों जैसे अनुच्छेद 3%0, समान नागरिक संहिता और राम मंदिर निर्माण जैसे मुद्दों को सरकार के एजेंडे से अलग रखा।ये वो दौर था जब वाजपेयी के व्यक्तित्व और कार्यप्रणाली से संघ खुश नहीं था। कारण यह था कि संघ अपने एजेंडों को वाजपेयी सरकार में लागू नहीं करा पा रहा था। सरकार और संगठन के बीच भी दूरियां बढ़ रही थीं। तमाम बड़े नेता सरकार का हिस्सा बन चुके थे और संगठन चला रहे नेता बंगारू लक्ष्मण व जनाकृष्णमूर्ति की पार्टी पर पकड़ मजबूत नहीं थी। फिर साल 2004 का चुनाव आया जिसमें वाजपेयी के नेतृत्व में पार्टी हार गई। इस चुनाव में भाजपा को संघ का समर्थन नहीं मिला। पार्टी का संगठन भी पूरी शक्ति के साथ चुनाव मैदान में नहीं दिखाई दिया। 2004 के चुनाव के बाद ये वो दौर था जब अटल बिहारी वाजपेयी सक्रिय राजनीति से बाहर हो चुके थे। पार्टी की कमान अब नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह जैसे नेताओं के पास रही लेकिन सब पर नियंत्रण आडवाणी का ही चलता रहा। कांग्रेस की अगुवाई वाले यूपीए शासन काल में भाजपा 10 साल के लिए सत्ता से बाहर रही।

वर्ष 2009 के चुनाव में पार्टी ने आडवाणी पी एम इन वेटिंग को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया लेकिन सफलता नहीं मिली। आडवाणी पीएम इन वेटिंग ही रह गए। उनके बाद नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता बढ़ने लगी जिससे दिल्ली में पार्टी के कई बड़े नेता असहज होने लगे। तब नरेंद्र दामोदरदास मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे और पार्टी में फ़ायर ब्रांड नेता के रूप में अपनी धाक जमा चुके थे और अपने कार्यों के चलते मोदी 2014 से पहले एक बड़े मोदी ब्रांड के तौर पर पार्टी में स्थापित हो चुके थे। इसी दौर में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'गुजरात मॉडल' पूरे देश में अपनी धमक दिखा चूका था। गुजरात की राजनीति की पिच से निकलकर नरेन्द्र दामोदरदास मोदी ने दिल्ली की तरफ अपने कदम 'अच्छे दिन' का नारा देकर बढ़ा दिए। मोदी के दिल्ली आने की ख़बरों पर आडवाणी खेमे के नेता ख़तरा महसूस कर रहे थे लेकिन गुजरात से ही आने वाले सरसंघचालक मोहन भागवत का समर्थन नरेंद्र मोदी को प्राप्त था। नतीजा ये रहा कि पार्टी दिल्ली की 'डी कंपनी ' के विरोध के बाद भी मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया। तब राजनाथ सिंह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। तत्कालीन यूपीए के घोटालों से मनमोहन सरकार पहली बार कठघरे में खड़ी हो गई और रही सही कसर रामलीला मैदान के अन्ना आंदोलन और रामदेव के सत्याग्रह ने पूरी कर दी जिसने भ्रष्टाचार को पूरे देश में एक बड़ा मुद्दा बना दिया और नरेन्द्र मोदी ने इसे भुनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी और दिल्ली की राह देखनी शुरू कर दी । 20 दिसम्बर, 2012 को पूरे देश की नजरें गुजरात विधान सभा चुनावो पर केन्द्रित थी । गुजरात के विधान सभा चुनावों के परिणाम आने के साथ ही तब पूरा मीडिया मोदीमय था । तीसरी बार गुजरात में हैट्रिक लगाकर फतह करने के बाद नरेन्द्र दामोदरदास मोदी का जोश देखते ही बन रहा था । उनकी जीत ने कार्यकर्ताओ के जोश को भी दुगना कर दिया । हर कोई उनकी तारीफों में कसीदे पढता ही जा रहा था । यह भाजपा में मोदी के असल कद का अहसास करा रहा था जब दो बरस पहले गुजरात जीतने के बाद दिल्ली के दफ्तर और तोरण दुर्गो में लगे बड़े बड़े कद के ब्रांड मोदी वाले पोस्टर मोदी की भारी जीत की गवाही दे रहे थे । 2014 की चुनावी बिसात पर राजपथ पर मोदी ने कांग्रेस से कई मील आगे निकलकर अपनी चुनावी बिसात बिछाकर यह तो साबित कर दिया इस बरस भाजपा के लिए करो या मरो वाली स्थिति हो चली थी जहाँ भाजपा को लोक सभा चुनाव में अपना वोट का प्रतिशत हर हाल में बढ़ाना जरुरी था नहीं तो केंद्र की सत्ता से उसका सूपड़ा साफ़ होना लगभग तय है । शायद यही वजह है पहली बार यस वी कैन और यस वी विल डू का नारा देना पड़ा क्योंकि इस दौर में भाजपा के पास कोई ऐसा चेहरा बचा नहीं, जो पार्टी कैडर में नए जोश का संचार कर सके और अपना ग्राफ जनता के बीच सीटो का ग्राफ बढ़ा सके और शायद कार्यकर्ताओ की इसी नब्ज को संघ की सहमति के आधार पर राजनाथ ने पकड़ा और मोदी को चुनाव प्रचार समिति की कमान सौंपकर उनको अगले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया। भाजपा के संसदीय इतिहास में प्रचंड बहुमत पाकर मोदी ने सही मायनों में अपनी अखिल भारतीय छवि हासिल करने के साथ ही खुद को राष्ट्रीय राजनीती में फ्रंट रनर के तौर पर पेश किया। लोकसभा चुनावों से पहले यह भ्रम बन गया था कि मोदी पार्टी से बड़े हो गए हैं लेकिन इन चुनाव परिणामो ने इस भ्रम को हकीकत में बदल दिया। मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में खूब पसीना बहाया। कश्मीर से कन्याकुमारी तक 450 से ज्यादा रैलियां की और 6000 से ज्यादा जगहों पर थ्री ड़ी प्रचार किया। पूरे देश में ख़ाक छानकर तीन लाख किलोमीटर की यात्रा कर दो करोड़ से ज्यादा लोगो से चाय पर चर्चा कर सीधा संवाद किय । लोग कांग्रेस के कुशासन , भ्रष्टाचार से परेशान हो चुकी थी और लोगों ने भाजपा में बड़ी उम्मीद देखी जो उन्हें मोदी में नजर आई । मोदी ने ना केवल देश के युवा वोटरों के दिलो में जगह बनाई बल्कि अपनी सभाओ में भारी भीड़ जुटाकर जन -जन से खुद को कनेक्ट करते हुए देश में एक लहर खड़ी की। गुजरात की तरह मोदी लोकसभा चुनावों में भी सभी विरोधियों के निशाने पर थे लेकिन क्षत्रपों की जातीय राजनीती में मोदी ने अपने अंदाज में सेंध लगा । पहली बार 2014 में जातीय बंधन टूटे और जनता ने एक स्थिर सरकार के लिए वोट किया और ब्रांड मोदी गुजरात से निकलकर ग्लोबल हो गया। मोदी के नेतृत्व में पहली बार किसी गैर-कांग्रेसी पार्टी ने अपने दम पर पूर्ण बहुमत 2014 में हासिल किया। यूपीए सरकार के गंभीर भ्रष्टाचार और देश में बढ़ती महंगाई से परेशान जनता ने नरेन्द्र मोदी पर भरोसा जताया और भाजपा को दिल खोलकर वोट दिए। 282 सीटों के साथ पहली बार पार्टी केन्द्र में अपने दम पर सरकार बनाने में कामयाब हुई। इस जीत के पीछे गुजरात के तत्कालीन गृह मंत्री अमित शाह की चाणक्य सरीखी रणनीति भी थी। पन्ना प्रमुख की उनकी रणनीति के आगे विपक्ष परस्त नजर आया। समय के साथ भाजपा और ताकतवर होकर उभरी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी पार्टी 303 सीटें हासिल करने में कामयाब हुई। चाणक्य अमित शाह और नरेन्द्र दामोदर दास मोदी ने ऐसा करिश्मा किया कि पूरे देश में भाजपा की नई बयार चल निकली।

नजरिया

लोकतंत्र को कमजोर करती है अवसरवादी राजनीति

ललित गर्ग

मो.: 9811051133

कांग्रेस में लगातार वफादार नेताओं का पलायन जारी है, नये नामों में कांग्रेस के प्रवक्ता गौरव वल्लभ, महाराष्ट्र के जिम्मेदार एवं पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम, बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा, निशाना साधने वाले मुक्केबाज विजेंदर, आचार्य प्रमोद कृष्णम हैं, जिन्होंने कांग्रेस को बाय-बाय कर दी है। इन सभी ने कांग्रेस के मुद्दाविहीन होने, मोदी के विकसित भारत के एजेंडे, राहुल गांधी की अपरिपक्व राजनीति एवं कांग्रेस की सनातन-विरोधी होने को पार्टी से पलायन का कारण बताया है। कुछ भी कहे, यह राजनीति में अवसरवाद का उदाहरण है, इस तरह का बढ़ता दौर चिंताजनक है। भारत की राजनीति में दलबदल की विसंगति एवं विडम्बना आजादी के बाद से लगातार देखने को मिलती रही है। पिछले साढ़े सात दशक के भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक पराभव के अक्स गाहे-बगाहे उजागर होते रहे हैं। दलबदल के बढ़ते दौर ने अनेक सवाल खड़े किये हैं। कल तक विपक्ष में जो नेता दागी होते थे, सतारूढ़ दल में शामिल होने के बाद ऐसा क्या हो जाता है कि उनके दाग दाग नहीं रहते। राजनीति में निष्ठाएं बदलने की स्थितियां आम नागरिकों को उद्वेलित कर रही हैं कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि दागी नेता सत्ता की धारा में डुबकी लगाकर दूध का धुला घोषित हो जाता है।

हर बार चुनावों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दलों में आयाराम-गयाराम' का खेल शुरु हो जाता है। विभिन्न दलों के प्रभावी नेताओं को अपने दल में शामिल कराने की होड़ मची है, कभी कोई एक दल बाजी मारती हैं तो कभी कोई दूसरा दल। सभी सेलिब्रिटी आखिर सत्ता की तरफ ही क्यों भागते हैं? पूर्व न्यायाधीश हो, पूर्व अधिकारी हो, अभिनेता हो या खिलाड़ी राजनीति में अपना भविष्य आजमाते रहे हैं।

अगर भाजपा की विचारधारा किसी विजेंदर, गौरव या अनिल शर्मा जैसे लोगों हो क्यों अच्छी लगती है तो सवाल यह भी है कि पिछले पांच साल तक वे कांग्रेस में क्यों रहे? ऐसे नेताओं की भी कमी नहीं है जो गत वर्ष के अंत में हुए विधानसभा चुनावों में एक पार्टी के चुनाव चिह्न पर उम्मीदवार थे तो अब दूसरी पार्टी का चुनाव चिह्न लेकर मैदान में उतरते दिख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इनदिनों भाजपा में जो विभिन्न दलों के तीस के लगभग राजनेता शामिल हुए हैं उनमें कांग्रेस, राकांपा, शिवसेना, टीएमसी, टीडीपी, एसपी और वाईएसआर कांग्रेस के नेता शामिल हैं। क्या यह भाजपा के निश्चित जीत की संभावनाओं का परिणाम है या केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के डर का परिणाम है। निश्चिय ही यह स्थिति किसी लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये शुभ नहीं कही जा सकती।

देश में लंबे समय से चुनाव सुधारों पर चर्चा चल रही है लेकिन चर्चा इस पर भी होनी चाहिए कि दलबदल का बढ़ता दौर कैसे रूके। राजनीति एवं राजनेताओं में नीति एवं सिद्धान्तों की बात प्रमुख होनी चाहिए लेकिन ऐसा न होना लोकतंत्र की बड़ी विसंगति है। राजनीति में सबकुछ जायज है वाली सोच एवं स्वार्थ की नीति दुर्भाग्यपूर्ण है। चुनाव का समय हर राजनेता के लिये अपने हित एवं स्वार्थ को चुनने का समय होता है, लेकिन उनके सामने लोकतंत्र के हिताहित का प्रश्न बहुत गौण हो जाता है। चुनावों में आचार संहिता के चलते कई प्रतिबंध लागू हो जाते हैं, लेकिन राजनीति में में दल-बदल पर नियंत्रण का कहीं कोई प्रावधान ही नहीं है, जबकि यह लोकतंत्र की जीवंतता एवं पवित्रता के लिये प्राथमिकता होनी चाहिए। सत्ता का स्वाद ही ऐसा होता है कि कोई भी राजनेता इससे अछूता नहीं रहता। इसीलिए आजकल दल बदलने का दौर खूब हो रहा है। यह बात दूसरी है कि ज्यादातर नेताओं में भाजपा का दामन थामने की होड़ मची है। एक दिन पहले भाजपा पर निशाना साधने एवं जीभर कर कोसने वाले नेताओं को एकाएक भाजपा इतनी अच्छी क्यों लगने लगती है? भाजपा को भी सोचना चाहिए कि आखिर ये अवसरवादी नेता जबभी उनके अनुकूल नहीं हुआ तो उसे भी बाय-बाय कर देंगे? भाजपा को यह भी देखना चाहिए कि पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर चंद घंटों पहले पार्टी में शामिल होने वाले को टिकट देना कहां तक उचित है।

भाजपा को अपने 400 पार के लक्ष्य को हासिल करना है, इसके लिये वह हर-तरह के समझौते कर रही है, दागी नेताओं को भी अपनी पार्टी में जगह दे रही है। ऐसे नेताओं के अपराधों पर भी परदा डाला जा रहा है। विडंबना है कि राजनीतिक निष्ठा बदलना इन नेताओं के लिये राहतकारी साबित हुआ है। वजह यह कि इन नेताओं से जुड़े अपराध के मामले ठंडे बस्ते में डाल दिये गए हैं।

जबकि दलील यह दी जाती है कि मामले बंद नहीं हुए हैं, जरूरत पड़ी तो जांच और कार्रवाई भी होगी। जो विपक्ष के उन आरोपों की पुष्टि करते हैं कि यह कार्रवाई राजनीतिक दुराग्रह एवं आग्रह के रूप में की जाती रही है। यही वजह है कि दल बदलने का फैसला राहत का रास्ता मान लिया जाता है। ऐसे में आम आदमी के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि अचानक जांच एजेंसियां निष्क्रिय क्यों हो जाती हैं? क्यों किसी एजेंसी को लेकर अदालत को कहना पड़ता है कि फलां एजेंसी पिंजरे में बंद तोता है और मालिक की बोली बोलता है। विपक्ष के ऐसे तमाम आरोपों की तार्किकता हाल में आई एक रिपोर्ट दर्शाती है। जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2014 के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का सामना कर रहे 25 विपक्षी नेताओं के सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के बाद उनमें से 23 को राहत मिल गई है। इनमें से तीन मामले बंद हो गए हैं और बीस की जांच रुकी हुई है। ऐसे अवसरवादी नेता फिर किसी नई पार्टी में नहीं जाएंगे इसको क्या गारंटी है? अच्छे लोग राजनीति में यदि सिर्फ पद पाने के लिए ही आए तो उसे क्या माना जाए? ऐसी जानी-मानी हस्तियां भी हैं जो आज यहां और कल वहां के उदाहरण पेश कर चुकी हैं। ऐसी सलेब्रिटी को पार्टी में शामिल होते ही टिकट से पुरस्कृत कर दिया जाता है। विडम्बना है कि लोकतंत्र में सिर गिने जाते हैं, मस्तिष्क नहीं। इसका खामियाजा हमारा लोकतंत्र भुगतता है, भुगतता रहा है। ज्यादा सिर आ रहे हैं, मस्तिष्क नहीं। जाति, धर्म, स्वार्थ और वर्ग के मुखौटे ज्यादा हैं, मनुष्यता के चेहरे कम। तभी राजनीति अवसरवादिता का अखाड़ा बनती जा रही है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

न्यायालय ने सूफी संत का पार्थिव शरीर भारत लाने के अनुरोध संबंधी याचिका खारिज की

शीर्ष अदालत ने प्रयागराज की दरगाह हजरत मुल्ला सैयद की याचिका खारिज करते हुए सवाल किया, वह पाकिस्तानी नागरिक थे। आप कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि भारत सरकार उनके पार्थिव शरीर को भारत लाए और यहां उन्हें दफनाया जाए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक याचिका खारिज कर दी, जिसमें भारत में जन्मे पाकिस्तानी सूफी संत की इच्छा के तहत उनके पार्थिव शरीर को बांग्लादेश से लाकर प्रयागराज में फिर से दफनाने के लिए केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। सूफी संत की 2022 में बांग्लादेश में मृत्यु हो गई थी। याचिका में 1992 में पाकिस्तानी नागरिकता हासिल करने वाले इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के मूल निवासी हजरत शाह मुहम्मद अब्दुल मुक्तदिर शाह मसूद अहमद की वसीयत का हवाला दिया गया, जिसमें कहा गया है कि उनके पार्थिव शरीर को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की दरगाह में दफनाया जाए, जिसके वह प्रमुख रहे थे।

शीर्ष अदालत ने प्रयागराज की दरगाह हजरत मुल्ला सैयद की याचिका खारिज करते हुए सवाल किया, वह पाकिस्तानी नागरिक थे। आप कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि भारत सरकार उनके पार्थिव शरीर को भारत लाए और यहां उन्हें दफनाया जाए। ऐसा कोई अधिकार नहीं है जिसके तहत यह मांग की जा सके। पीठ ने कहा, हमें संवैधानिक अधिकारों को लागू करने के सिद्धांतों पर भी गौर करना होगा। याचिकाकर्ता दरगाह की ओर से पेश वकील अहमद ने कहा कि संत का पाकिस्तान में कोई परिवार नहीं है, जबकि उत्तर प्रदेश की दरगाह में वह सज्जादा-नशीन (आध्यात्मिक प्रमुख) थे। सूफी परंपरा में, सज्जादा नशीन एक सूफी संत का उत्तराधिकारी होता है, जो किसी दरगाह का प्रमुख होता है। वकील ने शीर्ष अदालत को बताया कि संत का जन्म इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था और वह पाकिस्तान चले गए। 1992 में उन्हें पाकिस्तानी नागरिकता मिल गई।

पीठ ने कहा, उन्हें 2008 में प्रयागराज में स्थित दरगाह हजरत मुल्ला सैयद मोहम्मद शाह की दरगाह का सज्जादा नशीन चुना गया था। उन्होंने दरगाह में दफन होने की इच्छा व्यक्त करते हुए 2021 में वसीयत की थी। ढाका में उनकी मृत्यु हो गई, जहां उन्हें दफना दिया गया। ऐसी याचिका पर विचार करने में परेशानियां हैं।

पीठ ने कहा, हजरत शाह पाकिस्तानी नागरिक थे और उन्हें कोई संवैधानिक अधिकार नहीं था। पार्थिव शरीर को कब्र से निकालने के संबंध में व्यावहारिक जटिलताएं हैं। इस अदालत के लिए किसी विदेशी का पार्थिव शरीर भारत लाने का निर्देश देना सही नहीं होगा।

सलमान खान को गौरवान्वित महसूस कराऊंगा : नयी फिल्म 'रुसलान' पर आयुष शर्मा ने कहा

मुंबई। अभिनेता आयुष शर्मा ने अपनी नयी फिल्म 'रुसलान' का ट्रेलर जारी किए जाने के अवसर पर शुक्रवार को कहा कि उन्हें अभिनेता सलमान खान का आशीर्वाद प्राप्त है। शर्मा की शादी सलमान की बहन अर्पिता से हुई है। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2018 में आई 'लवयात्री' फिल्म से की थी जिसे सलमान खान फिल्म्स (एसकेएफ) का समर्थन प्राप्त था। इसके बाद उन्होंने सलमान के साथ 'अंतिम: द फाइनल ट्रुथ' (2021) में अभिनय किया। पांच साल से अधिक समय से फिल्म उद्योग से जुड़े शर्मा ने यहां कहा, उन्होंने (सलमान) फिल्म देखी है और उनका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ है। इस फिल्म (रुसलान) के साथ, मैं वास्तविक दुनिया में कदम रख रहा हूं और नए लोगों के साथ काम कर रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं उन्हें गौरवान्वित महसूस कराऊंगा।

उन्होंने कहा कि फिल्म जगत में उनकी यात्रा दुखद रूप से काफी धीमी रही है, लेकिन उन्होंने इसका हर पल आनंद उठाया है। शर्मा ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप अपने परिवार से बाहर काम करते हैं, तो आपको बहुत सी नयी चीजें सीखने को मिलती हैं। मैंने जो कुछ भी सीखा है 'रुसलान' उसी का परिणाम है।

नए फैशन कलेक्शन के साथ आ रही है हाई लाइफ प्रदर्शनी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। देश के पसंदीदा फैशन शोकेस के तौर पर मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी नए फैशन कलेक्शन के साथ आ रही है। इसका आगाज 7 अप्रैल को द ललित अशोक में होगा। यह तीन दिवसीय आयोजन 9 अप्रैल तक जारी रहेगा। आयोजकों ने बताया कि फैशन, स्टाइल, डेकोर और लग्जरी के साथ शुरू हो रही इस प्रदर्शनी का समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक रहेगा। यहां डिज़ाइनर परिधान, आभूषण, दुल्हन के परिधान, फैशन एक्सेसरीज़ और कई शानदार प्रॉडक्ट उपलब्ध रहेंगे, जो लुक को संवारेंगे।

यहां ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र,

डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध रहेंगे।

आईटी क्षेत्र में भारतीय प्रतिभाएं भारत में नौकरियां लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी : ठाकुर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने पूर्व की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार पर भ्रष्टाचार और घोटालों में लिप्त रहने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र ने 2047 तक देश को 'विकसित भारत' बनाने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय मंत्री ने बृहस्पतिवार को यहां आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) पेशेवरों को संबोधित करते हुए कहा, ''आईटी का मतलब 'इंडिया टुमॉरो' है और भारत के लिए कल का लक्ष्य क्या है? लक्ष्य, 2047 तक देश को 'विकसित भारत' बनाने का है।''

ठाकुर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि 10 वर्ष पहले हमारे देशवासियों को भ्रष्ट कांग्रेस पार्टी और उसके गठबंधन सहयोगियों के चंगुल से खुद को मुक्त करने के बारे में सोचना भी मुश्किल हो रहा था, जहां एक के बाद एक घोटाले हो रहे थे।'' उन्होंने संप्रग सरकार के दौरान हुए विभिन्न घोटालों का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी याददाश्त कमजोर है इसलिए हम कभी-कभी भूल जाते हैं, खासकर 18 से 22 साल की उम्र के वे लोग जो उस वक्त केवल आठ और 10 साल के थे।

ठाकुर ने कहा, ''उन्हें 2जी घोटाले या सीडब्ल्यूजी घोटाले के बारे में जानकारी नहीं है। उन्हें अगस्ता वेस्टलैंड, कोयला घोटाले और उस सब के बारे में नहीं पता।''

अदालत ने गौरव भाटिया की याचिका पर यूट्यूब चैनलको नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भाजपा नेता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया से नोएडा की एक अदालत में हुई बदसलूकी की घटना के संबंध में उनके खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणियों को लेकर कई यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया हैंडल को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने मामले में अन्य पक्षों को सुने बिना आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। उच्च न्यायालय ने आपत्तिजनक सामग्री को हटाने के लिए अंतरिम राहत की याचिका पर 13 प्रतिवादी यूट्यूब चैनल और 'एक्स' हैंडल को नोटिस जारी किया। अदालत ने मानहानि मुकदमे पर समन जारी किया और मामले को आठ अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। उच्च न्यायालय ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) और गूगल को भी नोटिस जारी किया। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने कहा कि जो भी हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण था। अदालत ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने भी घटना का संज्ञान लिया है। भाटिया ने वकील राघव अवस्थी और मुकेश शर्मा के माध्यम से दायर याचिका में 'एक्स' और यूट्यूब प्लेटफॉर्म पर उनके खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणियों को लेकर 13 प्रतिवादियों को यह निर्देश दिए जाने का आग्रह किया है कि वे अपनी टिप्पणियों को लेकर दो करोड़ रुपये से अधिक की क्षतिपूर्ति करें। उन्होंने भाटिया के खिलाफ कोई भी मानहानिकारक आरोप प्रसारित करने पर प्रतिवादियों को स्थायी रोक का निर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया। भाटिया के वकीलों ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा मामले का स्वत: संज्ञान लिए जाने के बावजूद वीडियो में निराधार आरोप लगाए गए हैं। वकीलों ने यह भी कहा कि एक वीडियो में हिंसा को उचित ठहराया गया है और इस तरह के वीडियो से वकीलों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा मिल सकता है। अवस्थी ने कहा कि कुछ वीडियो में आरोप लगाया गया है कि भाटिया यूट्यूबर एल्विश यादव की तरफ से पेश होने के लिए नोएडा की अदालत में गए थे, लेकिन यह आरोप पूरी तरह से झूठ है। भाटिया भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। शीर्ष अदालत ने 20 मार्च को गौतम बुद्ध नगर जिला अदालत में भाटिया के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार का 21 मार्च को संज्ञान लिया था।

कुनाल कामरा पर केस नहीं करेंगे सलमान खान

मुंबई/एजन्सी

कॉमेडियन कुनाल कामरा अपने शोज में अक्सर कॉन्ट्रोवर्शियल जोक्स मारते रहते हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वह सलमान खान का मजाक उड़ाते दिखे। सोशल मीडिया पर कुछ लोग दावा कर रहे थे कि सलमान खान कुनाल कामरा पर मानहानि का केस करेंगे। लेकिन अब जो समाचार आ रहे हैं उनके अनुसार सलमान द्वारा केस करने की बातों में कोई सच्चाई नहीं है। जूम टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक सलमान के एक करीबी सोर्स ने बताया, अगर सलमान खान हर गाली देने वाले पर मुकदमा करते रहे तो वह कोर्टरूम के ही चक्कर लगाते रहेंगे। इतने सालों में सलमान खान इन सबके आदी हो चुके हैं। उन्हें पता है कि उनका नाम लेकर अटैक करने वाले सिर्फ अटेंशन पाने के लिए ऐसा करते हैं। इसलिए वह उस बंदे (कुनाल कामरा) पर केस नहीं कर रहे।

दरअसल केआरके सलमान के बारे में आपत्तिजनक ट्वीट करते रहते हैं। उन्होंने कुनाल कामरा का वीडियो ट्वीट करके लिखा था कि सलमान इन पर मानहानि का केस करेंगे। सलमान केआरके पर पहले

मानहानि का केस कर चुके हैं। इस पर सलमान के करीबी ने बताया, उसमें भी सलमान का वक्त बर्बाद हुआ। उनके पिता सलीम खान उन्हें समझाते हैं कि इस तरह की बेइज्जती पर ध्यान न दें। सलीम साब ने ही सलमान से कहा है कि यह लोगों का अटेंशन पाने का तरीका है। केआरके ने मानहानि वाले ट्वीट के साथ कुनाल कामरा को भी टैग किया था। इस पर कुनाल कामरा ने जवाब दिया था, मैं कोई उड़ने वाली चिड़िया या सड़क पर पड़ी स्टेशनरी नहीं हूं और मैं जोक्स के लिए माफी नहीं मांगता।

ब्रिटेन के वरिष्ठ सांसद हुए 'सेक्सटिंग' कांड के शिकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन। ब्रिटेन में उन सांसदों से शुक्रवार को पुलिस के पास जाने का आग्रह किया गया जिनके बारे में आशंका है कि वे 'सेक्सटिंग' कांड के शिकार हुए हो सकते हैं। यह मामला तब उछला जब कंजर्वेटिव पार्टी के एक वरिष्ठ सांसद ने एक अज्ञात व्यक्ति को अपने कुछ सहयोगियों के निजी फोन नंबरों का खुलासा करने की बात स्वीकार की। संसद में लोक प्रशासन और संवैधानिक मामलों की समिति के अध्यक्ष विलियम रैग ने 'द टाइम्स ऑफ लंदन' अखबार को बताया कि उन्होंने समलैंगिक डेटिंग ऐप पर मिले एक व्यक्ति को फोन नंबर सौंपे थे जिसने अपनी अंतरंग तस्वीरें भेजी थीं। उन्होंने कहा, मुझे एक ऐप पर एक व्यक्ति से चैट करने का मौका मिला और हमने तस्वीरों का आदान-प्रदान किया। हम मिलने वाले थे, लेकिन फिर नहीं मिले। फिर वह लोगों के नंबर मांगने लगा। उसने मुझे एक व्हाट्सऐप नंबर दिया, जो अब काम नहीं कर रहा। मैंने लोगों को दुःख पहुँचाया है। मैं डर गया हूं। रैग ने कहा कि समलैंगिक डेटिंग ऐप ग्रिंडर पर मिले अज्ञात व्यक्ति को अपने सहकर्मियों के नंबर देने से वह डरे हुए हैं। 'सेक्सटिंग' का मतलब यौन संदेश, तस्वीरें और वीडियो भेजने तथा प्राप्त करने से है। ब्रिटेन के वित्त मंत्री गारेथ डेवीस ने प्रभावित लोगों से पुलिस के पास जाने का आग्रह किया। मोहपाश सेक्सटिंग' एक प्रकार का साइबर हमला है जो विशिष्ट समूहों को लक्षित करता है।

उद्घाटन

हैदराबाद में शुक्रवार को अभिनेत्री राशि सिंह और अन्य शुक्रवार को हैदराबाद में एचआईसीसी-नोवोटेल में एक प्रीमियम फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर।

जिंदगी डीटीएच पर 6 से प्रसारित होगा 'साराब'

मुंबई/एजेन्सी

जिंदगी डीटीएच पर नया शो साराब 06 अप्रैल से शाम 7:30 बजे से प्रसारित होगा। सोन्या हुसैन ने शो साराब में शिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित होरैन की भूमिका निभायी है। साराब में काम करने का अपना अनुभव साझा करते हुये सोन्या हुसैन ने बताया, 'साराब' में मानसिक स्वास्थ्य की पेचीदगियों को दिखाया गया है। हमारे समाज में होरैन जैसे लोगों को किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, वो इसमें दिखाया जा रहा है। शिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित होरैन के सफर को दिखाकर, इस शो में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक के बारे में खुलकर बात की गई और दर्शकों को उसका मुकाबला करने के लिए प्रेरित किया गया है। इसका लक्ष्य संवेदना और समझ विकसित करना है, जिससे आखिरकार मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को लेकर संवेदनशील और समझदारी भरा तरीका अपनाने की ही प्रेरणा मिलेगी। सोन्य हुसैन ने कहा,मानसिक स्वास्थ्य एक वैश्विक

मसला है जोकि सीमाओं और संस्कृतियों से परे है। साराब में हौसला, प्यार और मानसिक सेहत को लेकर सामाजिक रवैये के प्रभाव जैसे मुद्दों को दिखाया गया है। ये मुद्दे पूरी दुनिया से जुड़े हैं। मेरा मानना है कि हर पृष्ठभूमि के लोग, होरैन की कहानी और उसे जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उससे जुड़ाव महसूस करेंगे। मानसिक स्वास्थ्य को बड़ी ही बारीकी से इस शो में दिखाया गया है। इससे एक सार्थक बातचीत की शुरुआत हो सकती है और अलग-अलग समझ रखने वाले दर्शकों के बीच की खाई भी कम हो सकती है।मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को 'साराब' में होरैन की जिंदगी से मानसिक स्वास्थ्य की पेचीदगियों की गहरी समझ मिलेगी। उसका किरदार, कई तरह के संघर्षों को दर्शाता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से गुजर रहे लोगों को किस तरह की संवेदना, स्वीकार्यता और सहयोग की जरूरत पड़ती है, उसका महत्व पता चलेगा। होरैन की शादी उसकी जिंदगी में खुशियां लेकर आता है और अस्फंद उसका एक मजबूत सहारा बनता है। इस शो में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों से लड़ने में प्यार और अच्छे जीवनसाथी की ताकत दिखाई गई है। मुझे यह भी उम्मीद है कि 'साराब' रिश्ते, प्यार और मानसिक स्वास्थ्य की परेशानी से उबरने की बेहतर समझ देगा। दरअसल, इस शो में हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक समग्र नजरिया अपनाने की जरूरत पर खासा जोर दिया गया है।

विजयन ने दूरदर्शन से फिल्म 'केरल स्टोरी' नहीं दिखाने का आग्रह किया

तिरुवनंतपुरम/एजेन्सी

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने दूरदर्शन से फिल्म 'केरल स्टोरी' के प्रसारण के अपने फैसले को वापस लेने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले इस फिल्म को दिखाने से सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता हैं। विजयन ने आरोप लगाया है कि देश में लोकसभा चुनावों से पहले यह सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पैदा करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-भारतीय जनता पार्टी (आरएसएस-भाजपा) का प्रचार है। विजयन ने एक ट्वीट करते हुए दूरदर्शन से इसे रोकने की गुजारिश की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा, ध्रुवीकरण को उकसाने वाली फिल्म 'द केरल स्टोरी' को प्रसारित करने का दूरदर्शन का निर्णय बेहद ही निंदनीय है। राष्ट्रीय समाचार प्रसारक को भाजपा-आरएसएस गठबंधन की प्रचार मशीन नहीं बनना चाहिए और ऐसी फिल्म की स्क्रीनिंग नहीं होनी चाहिए जो आम चुनाव से पहले सांप्रदायिक तनाव बढ़ा सकती है। केरल नफरत फैलाने के ऐसे दुर्भावनापूर्ण प्रयासों का कड़े शब्दों में विरोध करने में दृढ़ रहेगा। उन्होंने कहा, देश के आधिकारिक प्रसारक दूरदर्शन को संघ परिवार के

सांप्रदायिक एजेंडे पर नाचने वाली कठपुतली नहीं बनना चाहिए। दूरदर्शन भाजपा उम्मीदवारों के लिए सांप्रदायिक अभियान चलाने वाली एजेंसी नहीं है। गौरतलब है कि दूरदर्शन ने फिल्म द केरल स्टोरी को शुक्रवार को प्रसारित करने की घोषणा की है। जो केरल का अपमान करने के समान है। धर्मनिरपेक्ष केरल सांप्रदायिक कलह को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऐसे विध्वंसक प्रयासों का विरोध करने के लिए एकजुट होगा। इस बीच, केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 'केरल स्टोरी' के प्रसारण को रोकने के लिए चुनाव आयोग से संपर्क करेगी, और आरोप लगाया कि यह चुनाव के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन है।

नेटफ्लिक्स ने की 'मामला लीगल है' के अगले सीजन की घोषणा

मुंबई/एजन्सी

अभिनेता से नेता बने भोजपुरी, हिन्दी व दक्षिण भारतीय फिल्मों में नजर आ चुके रवि किशन पिछले एक महीने से नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रही अपनी वेब सीरीज मामला लीगल है के जरिये दर्शकों के दिलों में अलग ही जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। इस हास्य से सराबोर सीरीज को दर्शकों ने बहुत पसन्द किया है। ये सीरीज 1 मार्च 2024 को रिलीज हुई थी। यह एक कॉमेडी कोर्ट रूम ड्रामा पर आधारित वेब सीरीज है जिसने लोगों को खूब हंसाया। मामला लीगल है सीरीज के 8 एपिसोड हैं। इस सीरीज में पटपड़गंज जिला कोर्ट के भीतर अलग-अलग मामलों और अजीब वकीलों को स्क्रीन पर दिखाया गया था जिसे लोगों ने खूब पसंद किया है।

दर्शकों को ये वेब सीरीज खूब पसंद आई। मामला लीगल है वेब सीरीज में रवि किशन ने वकील वीडी त्यागी के किरदार में अपने दमदार अभिनय की छाप छोड़ी है। एक्टर ने अपनी एक्टिंग से लोगों को अपना दीवाना बना लिया है। 'मामला लीगल है सीजन 1' में रवि किशन, अनंत जोशी और निधि बिष्ट मुख्य भूमिका में नजर आए थे। अब पहले सीजन के एक महीने के भीतर ही नेटफ्लिक्स ने बेहद पसंद की जाने वाली वेब सीरीज के दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है।

'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' के गाने 'तिलस्मी बाहें' में दिखीं सोनाक्षी सिन्हा

मुंबई/एजन्सी

अपकमिंग सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' का पहला गाना तिलस्मी बाहें' सामने आया है। इस गाने को संजय लीला भंसाली ने कंपोज किया है। गाने की रिलीज को लेकर एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर गाने की कुछ झलकियां शेयर की हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर की। वीडियो की शुरुआत गाने के दृश्य से होती है। जिसके बाद अभिनेत्री कहती हैं, दोस्तों, यह मेरा पहला भंसाली गाना है। ट्रैक की शूटिंग के लिए 20 मिनट से कम समय में सिर्फ एक शॉट लेने वाली एक्ट्रेस ने क्लिप को कैप्शन दिया, ''माय फर्स्ट भंसाली प्रोडक्शन्स सांग आउट, आप सबका शुक्रगुज़ार है।'' इसके बाद सोनाक्षी ने अपनी हेयर, मेकअप और स्टाइलिंग टीम को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, मेरी शानदार टीम को विशेष शुभकामनाएं, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि मैं ऑन और ऑफ स्क्रीन चमकती रहूं, टीम वर्क सपनों को पूरा करता है। 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली की ओटीटी शुरुआत है। इसमें भंसाली की भतीजी शर्मिन सहगल, मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा और संजीदा शेख भी हैं। यह सीरीज एक मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

'साइलेंस 2' का ट्रेलर जारी

मुंबई/एजन्सी

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'साइलेंस 2 : द नाइट आउल बार शूटआउट' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें मनोज एक बार फिर से एसीपी अविनाश वर्मा का रोल प्ले कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। फिल्म में एक्ट्रेस प्राची देसाई सहित और भी कई दिग्गज कलाकार हैं। ट्रेलर में शूटआउट के बारे में बताया जाता है। इसके बाद मनोज छानबीन के लिए घटनास्थल पर जाते हैं। फिर कहानी आगे बढ़ती है। मनोज दमदार एक्शन करते दिख रहे हैं। उन्होंने शानदार डायलॉग डिलीवरी से दर्शकों का दिल जीत लिया। प्राची पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभा रही हैं। मेकर्स ने ट्रेलर को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, घड़ी टिक-टिक कर रही है, तनाव बढ़ रहा है। शहर में अराजकता है और एक हत्यारा खुले आम घूम रहा है। साइलेंस2 में एसीपी अविनाश और उनकी स्पेशल क्राइम यूनिट एक उलझी हुई हत्या की गुत्थी सुलझाने में लगी है। देखें ट्रेलर अभी। मनोज करीब 3 साल बाद ओटीटी पर वापसी कर रहे हैं। मनोज ने कहा कि फिल्म में अविनाश का रोल दुनिया में बढ़ते क्राइम को खत्म करके शांति और व्यवस्था को फिर से सुनिश्चित करना है। फिल्म 16 अप्रैल को जी5 पर स्ट्रीम होगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

माँ बच्चों की प्रथम पाठशाला होती हैं, संस्कारों का बीजारोपण करने वाली होती हैं। संस्कृति संवर्धन की संवाहक होती हैं। साध्वीश्री ने विशेष आह्वान करते हुए कहा कि महिला मंडल की सदस्यों को परिवार में बच्चों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उनको संस्कारों की शिक्षा पर बल देने के साथ, चिंता को चिंतन में परिवर्तन करने का प्रयास करना चाहिए।

संस्कार संवर्धन की प्रथम पाठशाला होती माँ : साध्वी गवेषणाश्री

महिला मंडल द्वारा 'पौध को सींचे' कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कांचीपुरम। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मण्डल के तत्वावधान में डॉ. साध्वी गवेषणाश्रीजी के सान्निध्य में काँचीपुरम में 'पौध को सींचे' कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस मौके पर डॉ साध्वी गवेषणाश्रीजी ने कहा कि माँ बच्चों की प्रथम पाठशाला होती हैं, संस्कारों का बीजारोपण करने वाली होती हैं। संस्कृति संवर्धन की संवाहक होती हैं। साध्वीश्री ने विशेष आह्वान करते हुए कहा कि महिला मंडल की सदस्यों को परिवार में बच्चों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उनको संस्कारों की शिक्षा पर बल देने के साथ, चिंता को चिंतन में परिवर्तन करने का प्रयास करना चाहिए।

साध्वीश्री ने शाकाहारी भोजन के महत्त्व को बताते हुए उसको अपनाने की प्रेरणा दी। साध्वी गवेषणाश्रीजी ने सभी महिलाओं को भी आध्यात्मिक संकल्प दिलवायें। साध्वी मयंकप्रभाजी ने बच्चों में संस्कार, जीवन मे मर्यादित बने, ऐसी जीवन शैली अपनाने के लिए सभी महिलाओं को प्रेरित किया।

महिला मंडल अध्यक्षा प्रेमलताजी खांटेड ने स्वागत किया। सुनीता सिसोदिया ने आभार व्यक्त किया। उपासिका रेखा खांटेड, ममता धोका ने अपने विचार व्यक्त करते हुए अपने आध्यात्मिक विकास के चारित्र आत्माओं के सान्निध्य का लाभ उठाने के साथ नियमित या साप्ताहिक एक स्थान पर इकट्ठे हो धार्मिक उपक्रम आयोजित करने की बात कही। कार्यशाला में तेरापंथ महिला मंडल की सदस्यों के साथ, कन्याओं, किशोरों के साथ श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

दुःख के समय व्यक्ति को दान, पुण्य, धर्म और सत्संग करना चाहिए : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। स्थानीय आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में भारत प्राइड सोसायटी के नूतन जिनालय की अंजनशलाका हेतु मंगल प्रवेश कर रहे आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने सेन्ट्रल जेल में आयोजित प्रवचन में कहा कि साधु-संतों से मिलने के लिए रोजाना सैंकड़ों लोग आते हैं पर आज विशेष दिन है जब एक साधु बंधकों से मिलने आया है। उन्होंने कहा कि जेल और महल दोनों ही के बाहर पहरेदार होता है। जेल से कोई बाहर नहीं चला जाए इसलिए पहरेदार जरुरी जबकि महल में कोई बाहर का न आ जाए इसलिए पहरेदारी जरुरी है।

यहाँ जेल की व्यवस्था को संभालने वाले सज्जन भी जेल में है, सुरक्षा करने वाले सिपाही भी जेल में है और संत भी जेल में है जो कि तीनों ही एक मंच पर है। तीनों का एक ही उद्देश्य है कि मानव को मानव बनाकर जीवन जीने का अवसर उपलब्ध कराया जाए। आज संत समझाने आए है, सिपाही और व्यवस्थापक सुरक्षा के लिए है और आप सजा भोगने के लिए यहाँ आए हो।

आचार्यश्री ने कहा कि कि जेल में आने-आने में फर्क है। जेल में आप भी आए है और जेल में मैं भी आया हूं। पर दोनों के आने में अंतर है मुझे निवेदन कर चरण छूकर लाया गया हूँ जबकि आपको आंखों से आंसू बहाकर लाया गया है। योगेश्वर श्रीकृष्ण का जन्म जेल में हुआ था जो कि उस कैदियों का मुक्ति का संदेश लेकर आए थे और आज मैं भी आपके लिए वही मुक्ति का संदेश लेकर आया हूँ। जब व्यक्ति दुःख से भर जाता है तब उसे कुछ न कुछ दान, पुण्य, धर्म और सत्संग करना चाहिए। संतश्री ने प्रेरणा दी कि जिन राहों पर चल कर आप जेल आ गए आगे भविष्य में कभी भी उन राहों पर नहीं चलेंगे। विचारों के आचरण, व्यवहार और स्वभाव को बदलना होगा तभी आपके जीवन का कायाकल्प होगा। इस मौके पर आचार्यश्री जेल के पुलिस आधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें आशीर्वाद दिया। इस मौके पर समाज के अनेक लोग आचार्यश्री के साथ उपस्थित थे।

तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन चेन्नई वॉलीबॉल टूर्नामेंट 14 अप्रैल को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन, चेन्नई सदस्यता अभियान को गति देने के लिए इस वर्ष 14 अप्रैल को वॉलीबॉल टूर्नामेंट खेल का आयोजन कर रही है। टूर्नामेंट संयोजक राधेश्याम मूंदड़ा ने बताया कि वॉलीबाल टूर्नामेंट में 16 राजस्थानी टीमों के क़रीब 160 मारवाड़ी खिलाड़ी भाग लेंगे।

यह टूर्नामेंट डी जी वैष्णव कालेज के मैदान में, 14 अप्रैल को खेला जाएगा। साथ ही इस टूर्नामेंट में राजस्थानी समाज के 60 वर्ष आयु से ऊपर के दिग्गज खिलाड़ियों का भी मैत्री टूर्नामेंट होगा।

पूर्व अध्यक्ष अशोक मूंदड़ा ने बताया कि संस्था दिव्यांगों को सहायता सामग्री वितरण, भगवद् गीता वाक् प्रतियोगिता, फ़ैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन करती आ रही है । अध्यक्ष ने नए सदस्यों को जोड़ने का आवाहन किया है। कोषाध्यक्ष मोहनलाल बजाज ने बताया कि इस वर्ष वॉलीबॉल टूर्नामेंट में टी शर्ट के प्रायोजक रजत के पूर्व अध्यक्ष सुभाषचंद्र रांका हैं।सचिव मुरारीलाल सौंथलिया, उपाध्यक्ष अशोक केड़िया, अजय नाहर, संजीव अग्रवाल व अनुराग माहेश्वरी कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

शहर के तीन स्थानकों में आयोजित हुई स्वाध्यायी संगोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के तत्वावधान में अशोकनगर स्थित महावीर जैन स्थानक में, श्रीरामपुरम स्थित जैन स्थानक में और जयनगर स्थित जैन स्थानक में धार्मिक स्वाध्यायी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। स्वाध्यायी नवरतनमल भंसाली, शांतिलाल बोहरा और सुरेश गुलेच्छा ने अध्यापन कार्य संभाला। इस संगोष्ठी का विषय 'जैन आगम शास्त्र श्री उत्तराध्ययन सूत्र का 29 अध्ययन सम्यक्त्व पराक्रम' रहा। इसमें जैन आगम शास्त्रों के स्वाध्याय के महत्व को बताया गया। संयोजक शांतिलाल बोहरा ने बताया कि 25 अप्रैल से शहर के करीब 16 उपनगरों में बाल जैन संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

डायलेसिस रोगियों की मदद के लिए 'काँठा युवक परिषद' का सम्मान

परिषद अब तक 10000 डायलेसिस में दे चुकी है मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गत 13 वर्षों से आर्थिक रूप से कमजोर डायलेसिस रोगियों की सेवा में रत स्थानीय काँठाप्रांत युवक परिषद ट्रस्ट को राजाजीनगर स्थित दीनदयाल उपाध्याय डायलेसिस सेंटर में आयोजित एक सादे समारोह में रोटरी पीनिया बेंगलूरु ट्रस्ट एवं किडनी फ़ाउंडेशन ने सम्मानित किया। सेंटर के चेयरमैन बद्रीनाथ ने जानकारी दी कि काँठा परिषद अभी तक 3000 डायलेसिस में दीनदयाल डायलेसिस सेंटर को मदद कर चुका है। इस अवसर पर बेंगलूरु किडनी फ़ाउंडेशन के श्रीराम ने कहा कि इस रोग से पीड़ित को प्रत्येक दूसरे दिन डायलेसिस सेंटर जाकर लगभग 4 घंटे की डायलेसिस की जटील प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है जो न केवल पीड़ादायक है अपितु खर्चीली भी है और निम्नवर्गीय रोगी यह खर्चा वहन नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि ऐसे में रोगियों को मिलने वाली आर्थिक सहायता उनको बहुत ही राहत पहुंचाती है।

काँठा परिषद के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने कहा कि परिषद अपने स्थापना उद्धेश्यों की पूर्ति के लिये निरंतर सक्रिय है। उपाध्यक्ष विनोदकुमार चाणोदिया व रमेश गुगलिया ने बताया कि काँठा परिषद डायलेसिस के साथ गौशालाओं व अनाथालयों में भी सेवा के रूप में योगदान दे रहा है। मंत्री सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार काँठा परिषद अभी तक विभिन्न डायलेसिस केंद्रों में 10000 से अधिक डायलेसिस के लिए मदद प्रदान कर चुका है।

परिषद के खेल समिति अध्यक्ष विजय गुगलिया व उपाध्यक्ष अमित कोठारी के अनुसार परिषद द्वारा प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाली क्रिकेट तथा महिला व पुरुष बैडमिंटन प्रतियोगिताओं के माध्यम से समाज की युवा खेल प्रतिभाओं को उचित अवसर भी मिल रहा है। इस अवसर पर किडनी फ़ाउंडेशन के सुधीर शिनॉय, डायलेसिस सेंटर के सुधाकर, काँठा परिषद के सूरजमल पितलिया, कांतिलाल गुगलिया आदि भी मौजूद थे।

डॉ विष्णु सक्सेना को 'अनुभूति सम्मान' कल

चेन्नई। शहर के प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'अनुभूति' का इस वर्ष का अनुभूति सम्मान देश के

प्रसिद्ध व लोकप्रिय गीतकार डॉ विष्णु सक्सेना को प्रदान किया जाएगा। सक्सेना को पूर्व में भी देश विदेश के सैकड़ों अनेकों सम्मानों से नवाजा जा चुका है। इसके पूर्व यह अनुभूति सम्मान देश के मूर्धन्य साहित्यकारों को जिनमे गोपालदास नीरज, बालकवि बैरागी, माया गोविंद, अशोक चक्रधर, उदयप्रताप सिंह दिया जा चुका है। कार्यक्रम 7अप्रैल की शाम डीजी वैष्णव कॉलेज के सभागार में आयोजित किया जा रहा है। अध्यक्ष गोविंद मूंदडा, महासचिव नीलम सारडा, सचिव शकुंतला करनानी, कोषाध्यक्ष गिरी मूंदडा व अन्य पदाधिकारी कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

ड्रग सहित एक गिरफ्तार

बेंगलूरु। नगर पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने शुक्रवार को एक संवाददाता गोष्ठी में बताया कि विदेश मूल के एक युवक को ड्रग प्रकरण में गिरफ्तार किया गया है जो पहले ही ड्रग के प्रकरण में जमानत पर चल रहा है। उन्होंने बताया कि आईवरी पोस्ट के शिकास्तकिरी तानो (33) को बोम्मनहल्ली स्थित उनके एक घर से गिरफ्तार किया गया है। यह ड्रग रैकेट चला रहा था। वर्ष 2022 में व्यापार के वीजा पर भारत आए इस युवक ने मुम्बई में कपड़ों का काम किया।

तेरापंथ जैन विद्यालय पट्टालम में केजी ग्रेजुएशन दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ जैन विद्यालय पट्टालम के प्रांगण में केजी ग्रेजुएशन दिवस मनाया गया। विद्यालय की छात्रा वंशिका ने आमंत्रित सदस्यों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया। प्रधानाचार्या आशा क्रिस्टी ने स्वागत भाषण दिया व ग्रेजुवेशन दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये। प्रायमरी इंचार्ज युवरानी के द्वारा केजी की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस बार प्री केजी सत्र का उदघाटन सिल्वर जुबली वर्ष पर हुआ। विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कार्यकारिणी परिषद के ट्रस्टी मेघराज लुणावत, महासचिव रेख धोका, सहमंत्री कमलेश नाहर, पत्राचारक संजय भंसाली, संयोजक प्रमोदकुमार गादिया, कोषाध्यक्ष गौतमचंद समदरिया, विनोद धोका, गौतमचंद धारीवाल, अशोककुमार लुणावत, महेन्द्रकुमार आंचलिया आदि उपस्थित थे।

इस मौके पर वर्ष 2024 में अव्वल आए विद्यार्थियों को पारितोषिक किया गया। केजी संयोजिका विजया बालराज ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई।

मदुरै की तीन तेरापंथी युवतियों ने दिखाई अपनी बौद्धिक प्रतिभा

मदुरै। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तेरापंथ दर्शन सेकंड ईयर की परीक्षा में मदुरै से कुल तीन युवतियों ने भाग लिया, जिसमें अनुपमा बोथरा को 200 में से 200 अंक प्राप्त कर पूरे भारत वर्ष में पहला स्थान प्राप्त किया हैं। दीपिका फुलफगर ने 198 अंक के साथ तृतीय स्थान तथा मधु जीरावला ने 176/200 अंक प्राप्त किये। तेरापंथ महिला मंडल मदुरै की अध्यक्ष लता कोठारी और मंत्री सुनीता कोठारी ने तीनों विजेताओं को शुभकामनाएं दी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

ज़ी एंटरटेनमेंट में 15 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की प्रक्रिया शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। मीडिया कंपनी ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के कर्मचारियों की संख्या में 15 प्रतिशत तक की कटौती करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पुनीत गोयनका ने कार्यबल को युक्तिसंगत बनाने की प्रक्रिया के तहत 15 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने का प्रस्ताव निदेशक मंडल के समक्ष रखा था। ज़ी एंटरटेनमेंट ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि गोयनका ने प्रसारण, डिजिटल, फिल्मों और संगीत को मुख्य व्यावसायिक इकाइयों के रूप में चिह्नित करते हुए निदेशक मंडल को एक हल्के सांगठनिक ढांचे का प्रस्ताव दिया है। कंपनी ने कहा, एमडी और सीईओ ने अपने समग्र रणनीतिक दृष्टिकोण के अनुरूप कार्यबल को 15 प्रतिशत तक कम करने की प्रक्रिया शुरू की है। इस दौरान कंपनी में कर्मचारियों की संख्या को कम किया जाएगा ताकि एक सुव्यवस्थित टीम बनाई जा सके। ज़ी एंटरटेनमेंट की वित्त वर्ष 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी के स्थायी कर्मचारियों की संख्या 3,437 थी।

चार दिवसीय इंडिया इन्टरनेशनल ज्वेलरी शो का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दि जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रोमोशन कौंसिल (जीजेईपीसी) का इंडिया इन्टरनेशनल ज्वेलरी शो (आईआईजेएस तृतीया) का दूसरा संस्करण शुक्रवार को तुमकूर रोड स्थित बेंगलूरु इन्टरनेशनल एक्जीबिशन सेन्टर में शुरु हुआ। इस प्रदर्शनी का मुख्य थीम 'ब्रिलिएन्ट भारत' है। सोमवार तक चलने वाली इस प्रदर्शनी के शुभारंभ के मौके पर जीजेईपीसी के कार्यकारी निदेशक सब्बासाची रे, संयोजक नीरव भंसाली, भीमा ज्वेलरी के प्रमुख डॉ बी गोन्विदन, उद्योग व कॉमर्स के प्रधान सचिव डॉ सेल्वकुमार, जीजेईपीसी के चेयरमैन विपुल शाह, सी कृष्णैया शेट्टी ग्रुप के प्रमुख विनोद हायग्रीव, जीजेईपीसी के उपचेयरमैन कीर्ति भंसाली, ज्वेलर्स एसोसिएशन बेंगलूरु के अध्यक्ष डॉ चेतनकुमार मेहता आदि ने जीजेईपीसी द्वारा आयोजित आईआईजेएस तृतीया ज्वेलरी प्रदर्शनी की विजिटर गाइड का अनावरण किया।

भारतीय छात्रों के समूह ने ब्रिटेन में शुरू किया 'फेयर वीजा, फेयर चांस' अभियान

लंदन। ब्रिटेन में भारतीय छात्रों के एक प्रमुख संगठन ने 'ग्रैजुएट रूट' वीजा के पक्ष में 'फेयर वीजा, फेयर चांस' नाम से एक नया अभियान शुरू किया। 'ग्रैजुएट रूट' वीजा अंतरराष्ट्रीय स्नातकों को उनकी डिग्री के बाद दो साल के लिए ब्रिटेन में रहने और कार्य अनुभव प्राप्त करने का मौका देता है। इसकी शुरुआत तीन वर्ष पूर्व की गई थी और तब से ही यह भारतीय छात्रों के बीच बेहद लोकप्रिय है।

दरअसल, एक स्वतंत्र विस्थापन सलाहकार समिति (एमसीए) को ब्रिटेन के गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली ने 'ग्रैजुएट रूट' वीजा की समीक्षा की जिम्मेदारी सौंपी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह उस उद्देश्य को पूरा करता है या नहीं, जिसके लिए इसे बनाया गया है। माना जा रहा है कि समिति अगले माह तक अपनी रिपोर्ट सौंप देगी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.